E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -167 | प्रयागराज, शनिवार 20 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले- मैं भारत और पीएम मोदी के बहुत करीब,रूस से तेल खरीदने के कारण उन पर बैन लगाया

लंदन। भारत और अमेरिका के बीच फिर से ट्रेड डील पर बातचीत की संभावनाओं के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कहा कि वह भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहुत करीब हैं। इसके बावजूद उन्हें भारत पर प्रतिबंध लगाना पड़ा।ट्रम्प ने यह बयान लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। उनसे पूछा गया कि क्या रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर बैन लगाकर व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाने का समय आ गया है। इस पर ट्रम्प ने कहा- मैं भारत और प्रधानमंत्री मोदी के बहुत करीब हूं। मैंने उनसे पिछले दिनों बात की, उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भी बहुत सुंदर जवाब दिया। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं, लेकिन मैंने उनपर प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने आगे कहा- रूस से तेल खरीदने के कारण मुझे यूरोपीय देशों और चीन पर भी बैन लगाना पड़ा। चीन इस समय अमेरिका पर बहुत बड़ा टैरिफ लगा रहा है। मैं और भी चीजें करने को तैयार हूं, लेकिन तब नहीं जब मैं जिन लोगों के लिए लड़ रहा हूं, वे रूस से तेल खरीद रहे हों। पीएम मोदी को उनके जन्मदिन पर सबसे पहले बधाई दी थी। उन्होंने 16 सितंबर की रात 10:53 बजे पीएम मोदी को फोन कर विश किया। ट्रम्प ने रात 11:30 बजे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पीएम से बातचीत की जानकारी दी। ट्रम्प ने लिखा, 'अभी-अभी मेरे दोस्त, नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वे अद्भुत काम कर रहे हैं। नरेंद्र, रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।' ट्रम्प की बधाई का जवाब देते हुए मोदी ने एक्स पर लिखा, 'थैंक यू, मेरे दोस्त, प्रेसिडेंट ट्रम्प। आपकी तरह, मैं भी हमारे बीच की साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहता

हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं।' भारत पर अमेरिका की तरफ से 50फीसदी टैरिफ लगाए जाने के 40 दिन बाद मोदी और ट्रम्प के बीच यह पहली बातचीत थी। टैरिफ लगाने के बाद से भारत और अमेरिका के बीच संबंध खराब हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस से तेल खरीद के कारण जुर्माने के तौर पर भारत पर 27 अगस्त से टैरिफ लगाया है। मोदी की ट्रम्प के साथ आखिरी बार 17 जून को फोन पर करीब 35 मिनट बातचीत हुई थी। 27 अगस्त को जर्मन अखबार फ्रैंकफर्टर अलगेमाइन त्सितुंग ने दावा किया था कि टैरिफ विवाद को लेकर मोदी ने हाल के हफ्तों में 4 बार ट्रम्प का फोन उठाने से मना कर दिया था। टैरिफ लगाए जाने के बाद ट्रेड डील पर बातचीत रुकी पीएम मोदी के जन्मदिन पर ट्रम्प के फोन कॉल के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर फिर से बातचीत शुरू हो सकती है। दोनों देशों के बीच डील पर अब तक 5 दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन टैरिफ लगाए जाने के बाद 25-29 अगस्त को प्रस्तावित छठा दौर टाल दिया गया था।16 सितंबर को ट्रम्प और मोदी की फोन पर बातचीत से कुछ घंटे पहले दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय ट्रेड डील पर बातचीत की तैयारियों को लेकर मीटिंग हुई थी। यह मीटिंग अमेरिकी प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच और भारतीय वाणिज्य विभाग के विशेष प्रतिनिधि राजेश अग्रवाल के बीच दिल्ली में करीब 7 घंटे तक चली थी। बाद में दोनों पक्षों ने इसे सकारात्मक बताया था।10 सितंबर ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच ट्रेड बैरियर को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। आने वाले हफ्तों में मैं अपने बहुत अच्छे दोस्त, पीएम मोदी से बात के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों महान देशों के लिए एक सफल नतीजे पर पहुंचने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।' ट्रम्प की इस पोस्ट के करीब 5 घंटे बाद पीएम मोदी ने भी एक एक्स पोस्ट में लिखा, 'भारत और अमेरिका अच्छे दोस्त और नेचुरल पार्टनर हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारी ट्रेड नेगोशिएशन भारत-अमेरिका पार्टनरशिप की असीमित संभावनाओं को खोलने का रास्ता बना देगी। 2. 5 सितंबर ट्रम्प ने सुबह करीब 6 बजे ट्रुथ पर लिखा, 'ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उम्मीद है उनका भविष्य अच्छा होगा।' ट्रम्प शाम 6-7 बजे के बीच व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बातों से पलट गए। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा- 'मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा। भारत के साथ संबंधों को रीसेट करने के लिए हमेशा तैयार हूं।' अगले दिन सुबह 9:45 बजे पीएम मोदी ने ट्रम्प के बयान को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनके विचारों की तहे दिल से सराहना करता हूं और उनका पूर्ण समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा- भारत-अमेरिका के बीच एक पॉजिटिव और दूरदर्शी रणनीतिक साझेदारी है। 'देशों पर हाई टैरिफ लगाने के मामले पर यूएस कोर्ट में सुनवाई चल रही है। ट्रम्प ने 4 सितंबर को कोर्ट में भारत पर टैरिफ लगाने को जरूरी बताया था। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान होगा।

नेपाल पीएम बोली- हम जीरो स्टेट की स्थिति में,न इमारतें न कागज़ पत्तर,जेन-ज़ी आंदोलन में सब ख़ाक

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के सिंह दरबार में 9 सितंबर को हुई भयानक आगजनी ने देश के सरकारी ढांचे को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। स्थिति इतनी गंभीर है कि नेपाल

की नई अंतरिम पीएम सुशीला कार्की ने शपथ लेते ही कहा, 'हम शून्य स्थिति में हैं।' उनके पास कैबिनेट है, लेकिन मंत्रालयों के पास न तो इमारतें बची हैं और न ही जरूरी कागजात। सिंह दरबार परिसर, जो कभी भव्य महल और 20 से ज्यादा मंत्रालयों का केंद्र था, अब मलबे का ढेर बन चुका है। आग की लपटों ने संसद, भ्रष्टाचार विरोधी विशेष अदालत, और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों को नष्ट कर दिया। सरकारी दस्तावेज, जन्म प्रमाण पत्र, कंपनी रजिस्ट्रेशन, और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के मूल कागजात जलकर राख हो गए। अकेले सुप्रीम कोर्ट की 60 हजार से ज्यादा फाइलें राख हो गईं। संसद, राष्ट्रपति भवन से लेकर सुप्रीम कोर्ट, भ्रष्टाचार विरोधी अदालत और स्थानीय सरकारों की 300 से अधिक इमारतें भी आग की भेंट चढ़ गईं। पीएम कार्की ने कहा 'देश चलाने वाली सभी संस्थाएं और दस्तावेज नष्ट हो गए हैं। हम शून्य स्थिति में हैं। लेकिन हम फिर से खड़े होंगे।' जिन आम लोगों के दस्तावेज जल गए वे भी निराश हैं। काठमांडू के राजेंद्र श्रेष्ठ ने अपनी जली बाइक को पहचानते हुए कहा, 'यह मेरी है, लेकिन पूरी तरह बर्बाद।' एक अन्य नागरिक ने कहा कि उसका जन्म प्रमाण पत्र और जमीन का रजिस्ट्री जल जाने के बाद अब उसके पास पहचान साबित करने तक का साधन नहीं बचा। काठमांडू घाटी में 112 पुलिस स्टेशन पूरी तरह तबाह हो गए। इस विनाश से सबसे ज्यादा दिक्कत आम जनता को हो रही है उनका जीवन और कठिन हो गया है। लोग जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, पेंशन और बैंकिंग सेवाओं के लिए भटक रहे हैं। पुलिसकर्मी तंबुओं से काम कर रहे हैं, गाड़ियां जल जाने से सरकारी वाहन उपलब्ध नहीं। आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हर दिन 2 हजार से ज्यादा नेपाली विदेश पलायन कर रहे हैं। नेपाल के अपदस्थ पीएम केपी शर्मा ओली ने 9 दिन सेना की सुरक्षा में बिताने के बाद निजी आवास में गए है। ओली अब भक्तपुर जिले के गुंडु क्षेत्र स्थित एक निजी घर में रहेंगे। आंदोलन हिंसक होने पर 9 सितंबर को ओली ने पद छोड़ दिया और सेना ने उन्हें हेलिकॉप्टर से सुरक्षित बचाया था। अब ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल संविधान दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर रही है। नेपाल की नई पीएम कार्की और मोदी ने गुरुवार को टेलीफोन पर बातचीत की। यह उनके द्वारा किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष से की गई पहली बातचीत थी। दोनों नेताओं ने भारत-नेपाल के संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मोदी ने एक्स पर लिखा- 'नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मेरी मुलाकात बहुत ही गर्मजोशी से हुई।

रूस के कामचटका में फिर से 7.8 तीव्रता का भूकंप,बीते 90 दिनों में 7तीव्रता से ज्यादा के 4 भूकंप

मॉस्को। रूस के कामचटका के पूर्वी तट पर शुक्रवार सुबह 7.8 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। इसके बाद 5 आफ्टरशॉक महसूस

किए गए, जिनकी तीव्रता 5.8 मापी गई। इसके बाद सुनानी की चेतावनी जारी की गई। तट पर 30 से 62 सेंटीमीटर ऊंची लहरें देखी गईं। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने बताया कि सभी आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं, लेकिन अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। इस क्षेत्र में आज आए भूकंप समेत 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए भूकंप के वीडियो में घरों में फर्नीचर और लाइटें हिलती हुई दिखाई दीं। झटके इतने तेज थे कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां भी हिलती नजर आईं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से?? 128 किलोमीटर दूर, जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। रूस की स्टेट जियोफिजिकल सर्विस ने बताया कि बाद में तीव्रता घटकर 7.4 हो गई। गवर्नर ने टेलीग्राम पर कहा- आज (19 सितंबर) की सुबह एक बार फिर कामचटका के लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। कामचटका के पूर्वी तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। जनता को सतर्क किया जा रहा है। भूकंप के बाद सामाजिक संस्थानों और रिहायशी इमारतों में नुकसान की जांच शुरू कर दी गई है। कुरिल द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में भी सुनामी की चेतावनी जारी की गई। अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस और पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र ने अलास्का के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की सलाह जारी की थी, जिसे बाद में हटा लिया गया। कामचटका एक अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र है। पिछले एक हफ्ते में यहां 7 से अधिक तीव्रता के कम से कम दो भूकंप आ चुके हैं। रूस का कामचटका इलाका, जो प्रशांत 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है, इस साल भूकंपीय गतिविधियों का केंद्र रहा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यहां कुल 1,200 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकांश छोटे (मैग्नीट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप आए। इस क्षेत्र में 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे ज्यादा तीव्रता के दर्ज किए गए हैं। साल 2025 का सबसे विनाशकारी भूकंप 30 जुलाई को रूस के कामचटका में आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 8.8 मापी गई। यह पिछले 10 वर्षों का सबसे बड़ा झटका था। इसने कई देशों को प्रभावित किया। यह भूकंप समुद्री क्षेत्र में आए, जिसके कारण ज्यादा तबाही नहीं हुई। 3 अगस्त को 7 तीव्रता का भूकंप कामचटका के कुरिल द्वीप के पास आया था।

शिवपाल ने 20 कॉल करि,महिला डीएम ने नहीं उठाई,विधानसभा अध्यक्ष से हुई शिकायत, नोटिस जारी हुआ तो बोली- सॉरी

लखनऊ। सपा महासचिव शिवपाल यादव का फोन न उठाना बुलंदशहर डीएम श्रुति को भारी पड़

गया। शिवपाल ने उन्हें 20-25 बार कॉल किया, लेकिन डीएम ने रिसीव नहीं किया। इससे नाराज होकर शिवपाल ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से शिकायत कर दी। शिकायत के बाद महाना ने तत्काल डीएम को नोटिस जारी किया। नोटिस मिलने के बाद डीएम श्रुति को अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने शिवपाल यादव को कॉल किया। उनसे माफी मांगी। इसके बाद शिवपाल ने उन्हें माफ कर दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर शिवपाल अपने रुख पर अडिग रहते, तो डीएम को विधानसभा में पेश होना पड़ सकता था। शिवपाल यादव ने कुछ महीने पहले एक कार्यकर्ता से जुड़े काम के लिए डीएम श्रुति को कॉल की। श्रुति के निजी सहायक ने कई बार फोन उठाया, लेकिन डीएम बात करने को तैयार नहीं हुईं। शिवपाल के एक करीबी ने बताया- नेताजी ने उनके पर्सनल नंबर पर भी कॉल की, लेकिन मैडम ने कॉल नहीं उठाया। इतना ही नहीं, बुलंदशहर सपा जिलाध्यक्ष मतलूब अली भी डीएम के पास शिवपाल यादव का संदेश लेकर पहुंचे, लेकिन,उन्हें भी टाल कर रवाना कर दिया। डीएम के रवैये से नाराज शिवपाल ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को पहले फोन पर जानकारी दी। इसके बाद शिवपाल ने महाना को लिखित शिकायत भेजते हुए मामले को विशेषाधिकार हनन समिति में रखने का आग्रह किया। महाना ने शिवपाल की सीनियॉरिटी और उनके राजनीतिक कद को ध्यान में रखते हुए तत्काल डीएम को नोटिस जारी कर दिया।सूत्रों के मुताबिक, डीएम को नोटिस मिलने के बाद शासन के आला अधिकारी हरकत में आ गए। सीएम ऑफिस से लेकर शासन के अफसरों ने विधानसभा सचिवालय में संपर्क कर मामले को रफा-दफा कराने का प्रयास किया, लेकिन मामला शिवपाल से जुड़ा होने के चलते सफल नहीं हो सके।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा और अखिलेश पर कसा तंज,कहा-बीजेपी का कोई धर्म नहीं, अखिलेश 'पीडीए' की परिभाषा स्पष्ट करें

मऊ। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य

'संविधान सम्मान व जनहित हुंकार यात्रा' को लेकर मऊ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भाजपा और सपा प्रमुख अखिलेश पर जोरदार हमला बोला। मौर्य ने कहा- भाजपा का कोई धर्म नहीं, उसका काम सिर्फ भाईचारे का कत्ल करना और संविधान विरोधी गतिविधियां करना है। अखिलेश यादव के 'पीडीए' फॉर्मूले पर तंज कसते हुए बोले- जो नेता कभी 'पी' को पिछड़ा, कभी पंडित, 'डी' को दलित तो कभी डिंपल यादव और 'ए' को कभी अगड़ा तो कभी अल्पसंख्यक बताता हो, वो खुद ही भ्रमित है। मौर्य ने सपा को भी नीतियों से भटकने वाला दल बताया।अपने ऊपर हुए हमलों को लेकर कहा- सुपारी देने वाले देते रहेंगे, बोली 20 से 51 करोड़ तक लगती रही, लेकिन मैं विचारों से लड़ता हूं, किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। उन्होंने दोहराया कि दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज का अपमान हुआ तो वे पहाड़ बनकर उनके साथ खड़े रहेंगे।

अर्पणा यादव का राहुल पर तंज-कहा-पीएम ने राष्ट्र विरोधियों की नींद उड़ा दी,वोट चोरी पर कांग्रेस को घेरा

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव शुक्रवार को सुल्तानपुर पहुंचीं। यहां उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्र विरोधियों की नींद खराब कर दी है। उन्होंने कांग्रेस पर वोट चोरी का आरोप भी लगाया। राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम संबंधी बयान पर अर्पणा यादव ने कहा कि वोट चोरी करना एक विषय है और कांग्रेस से ज्यादा वोट चोरी किसने की है। उन्होंने बोफोर्स प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि गूगल सर्च करने पर कांग्रेस की पोल पट्टी सामने आ जाएगी। सरकारी एजेंसियों के बारे में अनाप-शनाप बोलने पर आपत्ति जताई-उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने आतंकवाद फैलाने वालों की नींद उड़ा दी है और राष्ट्र विरोधियों की नींद बिल्कुल खराब कर दी है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राहुल गांधी अजीब तरीके से बात करते हैं। हो सकता है कि वे प्रधानमंत्री की तारीफ करने के बजाय इस तरह की बातें कर रहे हों। अर्पणा यादव ने राहुल गांधी के सरकारी एजेंसियों के बारे में अनाप-शनाप बोलने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसी बातों से राजनीति नहीं चमकेगी। इतने बड़े परिवार से होने और इतने समय से

राजनीति में होने के बावजूद वे ऐसी बातें क्यों करते हैं, यह उनकी समझ से बाहर है। इस दौरान अर्पणा यादव ने सुल्तानपुर जिला जेल में महिला बंदियों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि जेल में एक पुस्तकालय बन रहा है। जिसके लिए वह पुस्तकें दान करेंगी। अपनी मां पर हुए मामले को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने 'नो कमेंट' कहकर जवाब देने से इनकार कर दिया। अपर्णा यादव ने अपनी मां पर हुई ईडे पर कुछ भी बोलने से मना कर दिया। वहीं राहुल गांधी के वोट चोरी वाले बयान पर वह बोलीं- कांग्रेस से ज्यादा वोट चोरी किसने की है? मुझे लगता है जब से कांग्रेस पार्टी बनी है, तब से लेकर आज तक, अगर आप गूगल पर भी डाल देंगे तो कांग्रेस की सारी पोल पट्टी सामने आ जाएगी।

चुनाव का चौकीदार जागता रहा,चोरी देखता रहा,मैं जेन-ज़ी के साथ-राहुल बोले,गिरिराज ने कहा- वे देश में गृहयुद्ध चाहते हैं

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि, 'चुनाव का

चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा।' उन्होंने 37 सेकेंड की वीडियो क्लिप शेयर की, इसके कैप्शन में लिखा- सुबह 4 बजे उठो, 36 सेकेंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ - ऐसे भी हुई वोट चोरी! वहीं, राहुल के बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा- राहुल गांधी फ्रस्ट्रेशन में हैं, हताशा में हैं। वे कभी नरेंद्र मोदी की नकल करेंगे, कभी जेन-ज़ी की बात करेंगे। यह अर्बन नक्सल बनना चाहते हैं। भारत में अर्बन नक्सल के रूप में रिएक्ट करते हैं। दरअसल, राहुल ने 18 सितंबर की अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस की क्लिप शेयर की। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक के आलंद में 6018 वोटर्स के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश हुई। सुबह 4 बजे उठकर भी वोट डिलीट किए गए। राहुल के बयान पर बीजेपी नेताओं ने क्या कहा- गिरिराज सिंहः- केंद्रीय मंत्री भारत कभी भी अर्बन नक्सल को स्वीकार नहीं करेगा। राहुल देश को गृह युद्ध में फंसाना चाहते हैं। कभी मुस्लिम को भड़काते हैं तो कभी उल-जलूल बातें करते हैं। इसके लोग बांग्लादेश की बात करते हैं। निशिकांत दुबे, सांसद- मैं आलंद चुनाव के पार्टी इन्चार्ज था, मुझे विश्वास था कि वह सीट भाजपा जीतेगी, क्योंकि कांग्रेस ने कभी वह सीट जीती ही नहीं थी। अगर वाकई वोट चोरी हुई है तो कांग्रेस को इलेक्शन कमीशन का धन्यवाद करना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस ने आजादी के बाद पहली बार आलंद सीट जीती। रविशंकर प्रसाद, सांसद-राहुल गांधी लगातार झूठ बोल रहे हैं और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। वे देश की लोकतांत्रिक परंपराओं से विश्वासघात कर रहे हैं। राहुल ने विपक्ष के नेता (एलोपी) के पद की गरिमा को भी गिरा दिया है।

प्रीतमनगर निवासी पूर्व आईजी डीके पांडा के खाते से ठग ने 4.32 लाख रुपए उड़ाए,'दूसरी राधा' के नाम से हैं मशहूर

प्रयागराज। प्रीतमनगर निवासी 'दूसरी राधा' के नाम से मशहूर पूर्व

आईजी डीके पांडा साइबर ठगी का शिकार हो गए। वॉट्सऐप पर भेजे गए एक लिंक पर क्लिक करने के बाद उनके खाते से 4.32 लाख रुपए निकाल लिए गए। यह घटना 9 सितंबर को हुई थी। जिसकी एफआईआर 15 सितंबर को धूमनगंज थाने में दर्ज की गई। मूल रूप से ओडिशा के रहने वाले 1971 बैच के आईपीएस अधिकारी डीके पांडा ने 2005 में नौकरी छोड़कर 'दूसरी राधा' का रूप धारण कर लिया था। बाद में 2015 में वे कृष्णानंद बन गए। वह लंबे समय से प्रयागराज के एडीए कॉलोनी, प्रीतमनगर में रह रहे हैं। पांडा ने बताया कि वह इंडियन बैंक, मुंडेरा शाखा का टोल-फ्री नंबर इंटरनेट पर खोज रहे थे। तभी उन्हें राहुल कुमार नामक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को बैंककर्मी बताया और मदद का भरोसा दिलाया। उसने वॉट्सऐप पर एक लिंक भेजा। लिंक खोलने के बाद कॉलर ने पांडा को घंटों तक बातचीत में उलझाए रखा और इसी दौरान उनके यूको बैंक सेविंग्स खाते से चार ट्रांजैक्शन में कुल 4.32 लाख रुपए निकाल लिए।इन ट्रांजेक्शन में 1,95,023 रुपये, 95,008 रुपये, 98,000 रुपये और 44,012 रुपये शामिल हैं। एफआईआर 15 सितंबर को धूमनगंज थाने में दर्ज की गई।

टेक्नीशियन ने की आत्महत्या, पिता ने प्रेमिका पर लगाया ब्लैकमेलिंग का आरोप,केस दर्ज

प्रयागराज। फूलपुर निवासी एक टेक्नीशियन की आत्महत्या के

मामले में नया मोड़ आया है। मृतक आशीष सिंह के पिता रणजीत सिंह ने अपनी तहरीर में बेटे की प्रेमिका पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रेमिका की प्रताड़ना से परेशान होकर आशीष ने यह आत्मघाती कदम उठाया। पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फूलपुर के चमरूपुर उर्फ नंदौत गांव के निवासी आशीष सिंह एक निजी कंपनी में टेक्नीशियन थे। वह करेली थाना क्षेत्र के बेनीगंज मुहल्ले में किराए के कमरे में रहते थे। तीन दिन पहले उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि आशीष ने आत्महत्या की थी। रणजीत सिंह के अनुसार, उनके बेटे आशीष का कौशांबी निवासी सोनिया प्रजापति से दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सोनिया प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में नर्स है। पिता का आरोप है कि सोनिया अक्सर आशीष से पैसों और अन्य जरूरतों की मांग करती थी। मांग पूरी न होने पर वह आशीष को ब्लैकमेल करती थी और उसे फांसी लगाकर मरने की धमकी भी देती थी। रणजीत सिंह ने अपनी तहरीर में कहा है कि सोनिया की लगातार प्रताड़ना और मानसिक दबाव के कारण ही आशीष ने आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठाया।

शहर में जाम से निजात के लिए डिवाइडर में कट बंद,आजाद पार्क से पत्रिका चौराहा तक कट बंद, डीएम ने दिए निर्देश

प्रयागराज। आजाद पार्क गेट नंबर-1 के सामने से सेंट जोसेफ

कॉलेज होते हुए पत्रिका चौराहा जाने वाले मार्ग पर बने कट बंद किए जाएंगे। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। इस मार्ग पर बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान होने और भारी यातायात के दबाव के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। बैठक में बताया गया कि 300 मीटर की दूरी में पांच कट मौजूद हैं, जबकि यहां 15 से 16 कोचिंग संस्थान हैं। जिलाधिकारी ने नगर निगम और विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंताओं को स्थलीय निरीक्षण कर कट बंद करने की तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। डीएम ने पन्ना लाल रोड पर लेडीज क्लब के पास कैरिज-वे का स्तर सही न होने और सीवर लाइन के ढक्कन ऊपर उठे होने पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने समिति के माध्यम से पत्र भेजकर सीवर ढक्कन तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही, सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। महाकुंभ के दौरान पत्थर गिरजाघर (धरना स्थल) के सामने लगाए गए बोल्डर हटाकर पैदल यात्रियों के लिए मार्ग खोलने का भी निर्देश दिया गया। इसके लिए नगर मजिस्ट्रेट, यातायात निरीक्षक, नगर निगम और पीडब्ल्यूडी को आवश्यक कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं।

नसबंदी न कराने वाले 100 डॉगलवर्स को नोटिस की तैयारी,अफसर बोले-लाइसेंस बनवाए तो स्वान पालिये

प्रयागराज। पालतू कुत्ते रखने

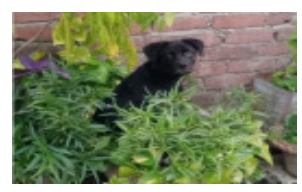

वालों को नगर निगम के नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। एंटी-रेबीज इंजेक्शन न लगवाने और नसबंदी न कराने वाले करीब 100 डॉग लवर्स को नगर निगम नोटिस जारी करने की तैयारी कर रहा है। निगम प्रशासन ऐसे लोगों पर सख्ती बरतने की तैयारी में है।नगर निगम हर साल पालतू कुत्तों का सर्वे कराता है। अप्रैल में शुरू हुए मौजूदा सर्वे में अब तक 1116 घरों में पालतू कुत्ते मिले हैं। सात सदस्यीय टीम ने मौके पर ही इनका रजिस्ट्रेशन किया है। नियमानुसार, रजिस्ट्रेशन के छह माह के भीतर कुत्तों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगवाना और नसबंदी कराना अनिवार्य है। इन शर्तों के पूरा होने पर ही निगम प्रशासन लाइसेंस जारी करता है।नगर निगम ने काटने वाले कुत्तों की पहचान के लिए माइक्रोचिप लगाने की योजना भी बनाई है। शिकायत मिलने पर ऐसे कुत्तों को यह चिप लगाई जाएगी। यदि वही कुत्ता दोबारा काटता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस योजना के लिए विशेष प्रशिक्षण हेतु पशु चिकित्सा एवं कल्याण विभाग 23 सितंबर से तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित करेगा।पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी विजय अमृत राज ने बताया कि जो लोग छह माह के भीतर एंटी-रेबीज टीकाकरण और नसबंदी नहीं कराते, उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा।

शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आगामी त्योहारों के आयोजन हेतु सेन्ट्रल पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सेन्ट्रल पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी त्योहारों एवं पर्वों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि का आयोजन दिनांक 22 सितम्बर से 30 सितम्बर 2025 तक होगा। इसके अंतर्गत दुर्गा महाष्टमी 30 सितम्बर, राम नवमी 1 अक्टूबर, दशहरा/भरत मिलाप 2 एवं 3 अक्टूबर, महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर, महर्षि वाल्मीकि जयंती 7 अक्टूबर, धनतेरस 18 अक्टूबर, दीपावली 20

अक्टूबर, गोवर्धन पूजा 22 अक्टूबर, भैयादूज एवं चित्रगुप्त जयंती 23 अक्टूबर, छठ पूजा 27-28 अक्टूबर तथा कार्तिक पूर्णिमा 5 नवम्बर 2025 को मनाई जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों, दुर्गा पूजा समितियों, रामलीला एवं भरत मिलाप समितियों, मेला समितियों, शोभायात्रा आयोजकों, धर्मगुरुओं, मौलवियों, व्यापारी मण्डल के पदाधिकारियों, संभ्रांत नागरिकों तथा गंगा स्नान घाट के प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पर्व-त्योहार जिले में भाईचारे एवं शांति के वातावरण में मनाए जाएं। इसके लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया जाए। पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने उपस्थित धर्मगुरुओं और संभ्रांत नागरिकों से कहा कि अपने अपने क्षेत्रों में शान्ति व्यवस्था बनाए रखे। युवाओं को भी जागरूक करें कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना में शामिल ना हो। किसी भी प्रकार के हुड़दंग से बचें। पूजा स्थलों और जुलूसो में किसी प्रकार के अश्लील गीत-संगीत का प्रयोग न होने पाए अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जुलूस में किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। बैठक में सीडीओ अर्पित उपाध्याय, एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ,अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा,जॉइन्ट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल शर्मा,सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार वर्मा,ईओ नागर पालिका स्वर्ण सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने विधायक को ज्ञापन सौंपा

प्रयागराज। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के निर्देशन मे उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जनपद इकाई प्रयागराज ने माननीय मुख्यमंत्री जी को संबोधित ज्ञापन विधायक, हर्षवर्धन बाजपेयी को दिया।जिलाध्यक्ष शंकर चन्द्र द्विवेदी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के 01 सितम्बर 2025 के निर्णय, सभी शिक्षको के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने के बाद से शिक्षक परेशान एवं आन्दोलन रत है।। यह आदेश गलत तथ्यो के आधार पर लिया गया। 20-25 साल की सेवा के बाद शिक्षको के लिए यह कहा जा रहा है वह टीईटी पास करे ,नही तो दो वर्ष बाद उन्हे सेवा से हटा दिया जायेगा।यह निर्णय अव्यवहारिक एवं अमानवीय है। जिससे पूरे देश मे लाखो की संख्या मे शिक्षक प्रभावित है तथा अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय के नेतृत्व मे आन्दोलन कर रहे है।विधायक जी ने शिक्षक प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वह शिक्षको की इस मुश्किल घडी मे शिक्षको के साथ खडे है ,तथा उनकी बात को वह माननीय मुख्यमंत्री तक पहुचायेगे ।शिक्षको को आश्वस्त किया कि उनका किसी प्रकार का अहित नही होने दिया जायेगा । इस अवसर पर अब्दुल कुद्दूस खा जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष,अरविन्द कुमार मिश्र मांडलिक मंत्री,सुशील शुक्ला जिला उपाध्यक्ष ,मनोज कुमार पाण्डेय जिला संयुक्त मंत्री,गुन्जन सिह जिला उपाध्यक्ष, अखिलेश द्विवेदी जिला प्रचार मंत्री ,अभिनय सिह, मनोज कुमार शुक्ल ,धर्मेंद्र शर्मा ,महेश तिवारी,चंदन यादव,रतन शर्मा, शत्रुघ्न शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

टीसीआई महेवा गेट के कार्यालय पर सपा की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। गुरूवार को राजेश यादव जिला सचिव यमुना पार अत्याचार जो हो रहा है उसके ऊपर अपने आवाज बुलंद की बैठक में विमल कुमार निषाद जिला

प्रयागराज टीसीआई महेवा गेट के कार्यालय पर बैठक संपन्न हुई जिसमें पूर्व भाजपा के सदस्य जितेंद्र निषाद जी लखनऊ अखिलेश यादव जी से मिलने के बाद समाजवादी पार्टी बैठक में सम्मिलित होकर निषादों के ऊपर अध्यक्ष यूथ ग्रेट यमुना पार मोहम्मद नियाज विधानसभा महासचिव मेजा हरिशंकर निषाद महेश निषाद मोहम्मद आसिफ जिला महासचिव यूथ ब्रिगेड सूरज कुमार शुभम अमर सिंह निषाद गुड्डू निषाद अन्य बैठक में उपस्थित थे.

सोशल मीडिया युग में मीडिया का महत्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। आज का युग सूचना क्रांति का युग है। बीते दो दशकों में इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जिस तरह समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है, उसने मीडिया की भूमिका को भी पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पहले जहाँ अखबार, रेडियो और टेलीविज़न ही सूचना के प्रमुख स्रोत हुआ करते थे, वहीं अब सोशल मीडिया ने सूचना की दुनिया में क्रांति ला दी है। फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम, यूट्यूब और व्हाट्सऐप जैसे मंचों ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का अधिकार और अपनी बात रखने का एक शक्तिशाली माध्यम दे दिया है। लेकिन यह बदलाव जितना अवसर लेकर आया है, उतनी ही चुनौतियाँ भी। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जब हर व्यक्ति खुद को पत्रकार मान बैठा है और हर कोई अपनी बात तुरंत लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है, तो ऐसे समय में पारंपरिक मीडिया की भूमिका और प्रासंगिकता क्या है? क्या अखबार और चैनल अप्रासंगिक हो रहे हैं? या फिर उनकी ज़िम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है? सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव किसी भी घटना का समाचार अब मिनटों में नहीं, बल्कि सेकंडों में पूरी दुनिया तक पहुँच जाता है। सोशल मीडिया ने संवाद की गति को इतनी तेज़ बना दिया है कि पारंपरिक मीडिया कई बार पीछे छूटता दिखाई देता है। यही वजह है कि बड़ी से बड़ी खबरें अब सबसे पहले सोशल मीडिया पर ही सामने आती हैं और फिर मुख्यधारा का मीडिया उसे आगे बढ़ाता है। यह तेज़ी अपने साथ सकारात्मक पक्ष भी लेकर आई है। आज दूर-दराज़ का किसान भी अपनी समस्या का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल देता है, जो देखते ही देखते प्रशासन और सरकार तक पहुँच जाता है। कोई छात्र अपनी समस्या उठाता है, कोई महिला अन्याय के खिलाफ़ आवाज़ बुलंद करती है या कोई स्थानीय मुद्दा अचानक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन जाता है। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताक़त है। लेकिन इस गति और पहुँच के साथ एक गंभीर खतरा भी जुड़ा है–अफ़वाहों और झूठी खबरों का प्रसार। सोशल मीडिया पर बिना किसी प्रमाण और बिना किसी संपादकीय नियंत्रण के सूचनाएँ फैलाई जाती हैं। कई बार ये सूचनाएँ समाज में तनाव, अविश्वास और हिंसा तक का कारण बन जाती हैं। यही वह जगह है जहाँ जिम्मेदार और सत्यनिष्ठ मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। पारंपरिक मीडिया की अनिवार्यता मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है। संसद, कार्यपालिका और न्यायपालिका की तरह ही मीडिया भी जनता और सत्ता के बीच सेतु का काम करता है। लेकिन मीडिया का यह स्वरूप तभी प्रभावी होता है जब वह तथ्यों पर आधारित हो, संतुलित दृष्टिकोण रखे और जनता को गुमराह करने के बजाय सही दिशा दिखाए। सोशल मीडिया की तुलना में पारंपरिक मीडिया की सबसे बड़ी ताक़त उसकी विश्वसनीयता है। अखबारों और चैनलों की अपनी एक जवाबदेही होती है। उनके पास संपादकीय तंत्र होता है जो तथ्यों की जाँच करता है, अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है और समाचार को संतुलित रूप में जनता के सामने रखता है। यही कारण है कि आज भी लोग अंतिम सत्य जानने के लिए अखबार और चैनलों पर भरोसा करते हैं। यदि मीडिया भी केवल सनसनीखेज़ समाचार दिखाने और क्लिक बढ़ाने की होड़ में लग जाए तो उसकी भूमिका कमज़ोर हो जाती है। ऐसे में लोकतंत्र के लिए आवश्यक रचनात्मक विमर्श और स्वस्थ बहस का स्थान शोर-शराबे और अफ़वाहों से भर जाता है। इसलिए पारंपरिक मीडिया से अपेक्षा है कि वह सोशल मीडिया के प्रभाव को स्वीकारते हुए, उसकी गति और पहुँच का उपयोग तो करे, लेकिन अपनी पहचान और मूल्य पर कभी समझौता न करे। जिम्मेदारी और संतुलन की आवश्यकता सोशल मीडिया ने आम नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो दी है, लेकिन हर स्वतंत्रता के साथ ज़िम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जब हर व्यक्ति खुद को 'नागरिक पत्रकार' मानकर अपनी बात रखता है, तब समाज में ग़लत सूचनाओं की बाढ़ आना स्वाभाविक है। ऐसे में मुख्यधारा का मीडिया ही वह फ़िल्टर है जो सही और ग़लत, तथ्य और अफ़वाह, सच्चाई और भ्रम के बीच अंतर कर सकता है। मीडिया को चाहिए कि वह लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में अपनी भूमिका निभाए। सत्ता की आलोचना करना, जनता की आवाज़ उठाना, समाज में न्याय और समानता की वकालत करना तथा साम्प्रदायिक सौहार्द और भाईचारे को मज़बूत करना उसकी जिम्मेदारी है। यदि मीडिया केवल एकतरफ़ा दृष्टिकोण पेश करे या किसी एक वर्ग के हित में कार्य करने लगे तो उसका अस्तित्व ही सवालों के घेरे में आ जाएगा। सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया का तालमेल यह कहना गलत होगा कि सोशल मीडिया केवल नकारात्मक है। सही मायने में यह अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त मंच है। लेकिन यह तभी सार्थक है जब पारंपरिक मीडिया इसके साथ तालमेल बैठाए। मीडिया संस्थानों को चाहिए कि वे सोशल मीडिया की गति और व्यापकता का इस्तेमाल करें, लेकिन अपनी गहन पड़ताल, तथ्य-जाँच और विश्लेषण की परंपरा को भी बनाए रखें। आज समाचार पत्रों और टीवी चैनलों के अपने डिजिटल संस्करण हैं, जो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। इससे एक ओर उनकी पहुँच बढ़ती है, तो दूसरी ओर वे अफ़वाहों का मुकाबला भी कर पाते हैं। भविष्य का मीडिया वही होगा जो प्रौद्योगिकी और परंपरा दोनों का संतुलित मिश्रण कर सके। निष्कर्ष- समाज में मीडिया की भूमिका केवल समाचार देने तक सीमित नहीं है। मीडिया समाज का मार्गदर्शक है, लोकतंत्र का प्रहरी है और जनता का विश्वास है। सोशल मीडिया के युग में उसकी यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। जहाँ सोशल मीडिया हमें तुरंत सूचना देता है, वहीं पारंपरिक मीडिया उस सूचना को गहराई, संदर्भ और विश्वसनीयता प्रदान करता है। यही संतुलन लोकतंत्र को मज़बूत बनाता है। इसलिए निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया के दौर में मीडिया की र्न्त्ल कम नहीं हुई है बल्कि पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। अब आवश्यकता है कि मीडिया अपनी ज़िम्मेदारी को समझे, सत्य और तथ्य को प्राथमिकता दे, और समाज को सही दिशा देने का कार्य जारी रखे। यही उसका असली धर्म है और यही उसकी सबसे बड़ी ताक़त भी।

राजेश पांडे ब्यूरोप्रभारी रायबरेली

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

खाद्य विभाग की टीम ने 14 नमूने संग्रहित कर जॉच हेतु प्रयोगशाला में भेजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने आगामी नवरात्रि व दशहरा पर्व के दृष्टिगत आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ द्वारा गुरुवार को खाद्य कारोबार कर्ता लाला किराना स्टोर अमन गुप्ता सोसायटी वाली गली, रघुवीरगंज बाजार तह0 सदर रायबरेली के यहां से गाय का घी के यहां से सिघांडा आटा, अमन ट्रेडर्स, सलोन रोड, भटपुरवा ऊँचाहार के यहां से काजू, सिघाडा आटा, सेधा नमक, खाद्य कारोबारकर्ता विशाल मेगा मार्ट

उपलब्ध कराने हेतु जनपद में खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए अभियान को और तेज करने के निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी ने खाद्य विभाग को निर्देश दिये कि पर्वों के दृष्टिगत बाजारों में बिकने वाले खाद्य पदार्थों के नमूनों की सैम्पलिंग नियामनुसार कराई जाए। उन्होंने कहा कि पर्वों के अवसर पर गुणवत्ता तथा शुद्धता बनाये रखने के लिए चलाये जा रहे गहन अभियान को और तेज किया जाए। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-द्वितीय डा0 सी0आर0 प्रजापति ने बताया कि छापामार अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा विभाग टीम (गोकुल), खाद्य कारोबार कर्ता अवधेश कुमार राही, तह0 सदर रायबरेली के यहां से बादाम (ब्रांड ग्रैंड वन) व किशमिश (मुरली), खाद्य कारोबार कर्ता राम किशुन किराना स्टोर, धुरेमऊ सरेनी तह0 लालगंज रायबरेली के यहां से काजू (फ़िदा), जे0के0 डेयरी मिल्क स्टार डेयरी पाउडर के नमूने संग्रहीत कर जॉच हेतु प्रयोगशाला में भेजा गया। इसी प्रकार शुक्रवार को खाद्य कारोबार कर्ता न्यू जायसवाल कन्फेक्शनरी, एन0टी0पी0सी0 कैम्पस, ऊँचाहार के यहां से सेधा नमक व साबुदाना, लकी किराना स्टोर, एन0टी0पी0सी0 कैम्पस, ऊँचाहार चकअहमपुर नजूल कैनाल रोड रायबरेली से मूंगफली दाना, रॉक साल्ट व साबुदाना के नमूने संग्रहीत कर (कुल 14) जॉच हेतु प्रयोगशाला में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। खाद्य कारोबारकर्ताओं का हिदायत दी जा रही है कि बिना किसी भी दशा में अधोमानक/असुरक्षित/दूषित खाद्य पदार्थो का क्रय-विक्रय न करें तथा आम जनमानस को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराये अन्यथा की दशा में कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्री कृष्ण जी की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। होम्स 121 में आयोजित श्री मद्भागवत कथा के पंचम दिवस पर भक्ति एवं श्रद्धा का अनुपम संगम देखने को मिला। कथा व्यास आचार्य सुरेश जी महाराज के द्वारा श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन भक्ति भाव से किया गया इसके साथ ही गोवर्धन पूजा एवं भगवान को अर्पित छप्पन भोग की दिव्य कथा प्रस्तुत की गई, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा व्यास ने गोवर्धन लीला का गूढ़ आध्यात्मिक अर्थ सरल भाषा में समझाते हुए जीवन में विश्वास, सेवा और समर्पण की महत्ता को रेखांकित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान के भक्ति रस में सराबोर हो गए। कार्यक्रम के अंत में छप्पन भोग अर्पित कर भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। श्रीमद् भागवत कथा 20 सितंबर तक होगी, 21 तारीख को हवन और विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की याद में 35वां विशाल दंगल 21 सितंबर को

35 वर्षों से परंपरा बन चुका है यह ऐतिहासिक आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाला 35वां विशाल दंगल इस बार 21 सितंबर को ग्राम सर्फाबाद, सेक्टर-73, टिवोली फार्महाउस (नियर आम्रपाली जोडियक, सेक्टर 119) में आयोजित किया जाएगा।यह दंगल लगातार पिछले 35 वर्षों से आयोजित होता आ रहा है और अब यह केवल एक खेल आयोजन न रहकर पूरे क्षेत्र की गौरवमयी परंपरा और सामूहिक पहचान बन चुका है। 'गांव और क्षेत्र का गौरव है यह दंगल' - एमएलसी जितेंद्र यादव पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव ने बताया कि यह दंगल सर्फाबाद और आस-पास के गांवों के लिए ऐतिहासिक आयोजन है।पिछले 35 वर्षों से लगातार हो रहा यह दंगल राष्ट्रीय स्तर के पहलवानों को एक मंच प्रदान करता है।उन्होंने कहा कि इसका इंतजार न केवल पहलवानों को बल्कि पूरे क्षेत्र की जनता को भी हर साल बेसब्री से रहता है। देशभर के नामी पहलवान करेंगे शिरकत इस बार के दंगल में कलवा गुर्जर (भारत केसरी) पुष्पेंद्र नेवी (हरियाणा भारत केसरी) सहित देशभर के कई नामी-गिरामी पहलवान हिस्सा लेने आ रहे हैं।इसके अलावा जूनियर और सीनियर वर्ग के पहलवान भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।आयोजकों के अनुसार सभी मुकाबले मिट्टी के अखाड़े में होंगे और सभी कुश्तियां बंदी होंगी यानी तय मुकाबले होंगे। विजेताओं के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार- इस बार दंगल का प्रथम पुरस्कार ढाई लाख रुपये रखा गया है।इसके अलावा अन्य श्रेणियों में भी आकर्षक नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। जितेंद्र यादव ने बताया कि पहलवानों के लिए उचित व्यवस्था की गई है। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि दर्शक सुरक्षित माहौल में दंगल का आनंद ले सकें। कुश्ती की परंपरा से जुड़ा सर्फाबाद गांव- ग्राम सर्फाबाद की पृष्ठभूमि कुश्ती से जुड़ी रही है। यही कारण है कि यहां का दंगल पहलवानों और ग्रामीणों के लिए खास महत्व रखता है। 21 सितंबर को होने वाले इस दंगल को लेकर गांव और आस-पास के क्षेत्रों में जबरदस्त उत्साह है। यह आयोजन न केवल खेल प्रेमियों को रोमांचित करेगा बल्कि स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की स्मृति को जीवंत बनाए रखेगा।

GCEL कोचिंग के छात्रों ने किया नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर का शैक्षिक दौरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। GCEL कोचिंग के छात्रों ने हाल ही में नैनी स्थित Industrial Training Centre का शैक्षिक दौरा किया। इस दौरान छात्रों ने संस्थान की विभिन्न ट्रेड्स, एडमिशन प्रक्रिया, और करियर काउंसलिंग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। संस्थान के विशेषज्ञों ने छात्रों को आईटीआई में उपलब्ध कोर्सेस, प्रवेश के योग्यताएं, औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं और भविष्य में तकनीकी शिक्षा के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने मशीनरी, वर्कशॉप और क्लासरूम्स का निरीक्षण कर वास्तविक औद्योगिक वातावरण को करीब से समझा। दौरे के अंत में छात्रों ने संस्थान के सेल्फी पॉइंट पर ग्रुप फोटो लेकर इन पलों को यादगार बना दिया।

सभी छात्रों में इस शैक्षिक भ्रमण को लेकर उत्साह और उमंग देखने को मिली। उर्ध्वं कोचिंग के निदेशक ने कहा कि इस तरह के शैक्षिक दौरों से छात्रों को करियर संबंधी सही दिशा मिलती है और वे तकनीकी शिक्षा को लेकर जागरूक होते हैं।

रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए 06 अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा घटनाओं के अनावरण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन मे थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के नई बाजार स्थित बालाजी ज्वैलर्स से दिनांक 27/28.08.2025 को चोरी की घटना के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत मु.अ.सं. 893/2025 धारा 331(4), 305, 324(4) बी.एन.एस. तथा दिनांक 28/29.08.2025 को दुद्धी क्षेत्र के एक मकान की बाउन्ड्री में घुसकर ताला तोड़कर तथा दिनांक 27/28.07.2025 थाना क्षेत्र ओबरा के एक मकान/आफिस से बाउन्ड्री तोड़कर नगदी रुपयो की चोरी की घटना का सफलता पूर्वक अनावरण करके अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा उपरोक्त चोरी की घटनाओं में चोरी गये जेवरात तथा रुपयो की बरामदगी करने मे महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की गयी है। पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ करने पर बताया गया कि हम लोग कही फूल कही गुब्बारा आदि घूमफिर कर बेचते है तथा अपने साथियों को बुलाकर झाड़ जंगल में टेम्परेरी डेरा बनाकर रुकते है, वहीं पर साथी ट्रेन व बस से आते है तथा पहले से चिन्हित किये गये मकान व दुकान मे योजना के अनुसार रॉड व अन्य सामान ताला तोड़ने का लेकर चोरी करके चले जाते हैं तथा अपना अपना अड्डा बदल देते है। बरामदगी का विवरणः- 13 छोटी छोटी गिलास सफेद धातु, 04 छोटा बड़ा प्लेट सफेद धातु एवं नग युक्त सफेद अंगूठी 36 अदद व चोरी के कुल 45,000/- रूपये व घटना मे प्रयुक्त लोहे का राड व अन्य सामान, गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. भीमसिंह पुत्र दवार निवासी ग्राम गुलवांव थाना सांची जिला रायसेन म0प्र0 उम्र करीब 52 वर्ष, 2. आनंद बंजारा पुत्र भीम सिंह बंजारा निवासी ग्रा) सेमरा घुरपुर कंजड़ थाना घुरपुर जिला प्रयागराज उम्र करीब 35 वर्ष, 3. सिपाही लाल पुत्र केश बंजारा निवासी ग्रा0 सेमरा कंजड बस्ती थाना घुरपुर जिला प्रयागराज उम्र करीब 25 वर्ष, 4. तान सिंह गोड़ पुत्र मान सिंह गोड़ निवासी विलायतकला बूढामोड़ थाना बड़वारा जिला कटनी म0प्र0 उम्र करीब 35 वर्ष, 5. दुर्योधन पुत्र अनुप मोगिया निवासी ग्रा) गुलगाँव थाना सांची जिला रायसेन म0प्र0 उम्र करीब 25 वर्ष, 6. कांजिरा बंजारा पुत्र मंगल बंजारा निवासी ग्रा0 जमनी टोला थाना सोहागपुर जिला होसगाबाद म0प्र0 उम्र करीब 22 वर्ष, वांछित अभियुक्तगण का विवरण- 1. आजाद पुत्र अंगुरिया निवासी बूढा मोड़ विलायत कला थाना बढ़गावारा जिला कटनी (म0प्र0) 2. राका निवासी केखर बीना (म0प्र0) 3. गोविन्दा निवासी कंखर बीना (म0प्र0) (राका का भाई) 4. गब्बर निवासी कंखर बीना (म0प्र0) 5. काला पुत्र राका निवासी कंखर बीना (म0प्र0) 6. शुकरिया पुत्र मेहलाल निवासी बूढा मोड़ बिलायतकला थाना बड़वारा जिला कटनी (म0प्र0) 7. दिनेश उर्फ जिगर पुत्र संता निवासी मुड़ारा बहरा थाना पिपरिया अशोक नगर गुना (म0प्र0) 8. दिनेश पुत्र भोपाली निवासी सेमरा कंखड़ बस्ती घूरपुर थाना घूरपुर जिला प्रयागराज 9. पपडिया पुत्र पातेल निवासी मुरादापुर थाना धनौदा गुना (म0प्र0) गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1. प्र0 नि0 माधव सिंह, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। 2. उ0नि0 दीनानाथ यादव, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। 3. उ0नि0 ब्रह्मदीन यादव, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। 4. उ0नि0 आशुतोष सिंह, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। 5. उ0नि0 उमाशंकर यादव, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। 6. हे0का0 बहादुर राम, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्रा। 7. हे0का0 रामजीत शर्मा, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। 8. हे0का0 अभिमन्यु यादव, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। 9. हे0का0 संजय कुमार, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। 10. हे0का0 धर्मेन्द्र कुमार, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। 11. हे0का0 सत्येन्द्र कुमार, थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र।

सेक्टर-33 में सेवा पखवाड़ा के तहत रक्तदान शिविर आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज सेक्टर-33 स्थित प्रकाश अस्साल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ गौतमबुद्धनगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा तथा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह ने किया। इस अवसर पर भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष बिमला बाथम भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस दौरान भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष एवं जीएसटी रिफॉर्म कमेटी के क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोज गुप्ता, संयोजक चंदगीराम यादव, उमेश त्यागी, एन. पी. सिंह, ओमवीर अवाना, करतार सिंह चौहान, विनोद शर्मा, अशोक मिश्रा, धर्मेन्द्र चौहान, भूपेश चौधरी, उमेश पहलवान सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मधेपुरा, बिहार के कृषकों का प्राकृतिक खेती विषयक प्रशिक्षण का समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा, मधेपुरा बिहार द्वारा प्रायोजित पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रसार निदेशालय द्वारा दिनांक 15-19 सितम्बर 2025 के मध्य कराया गया । आज दिनांक 19.09.2025 को उक्त कार्यक्रम के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डा0 प्रवीन चरन, निदेशक प्रसार ने कृषकों को बताया कि यह विश्वविद्यालय 1910 से कृषकों के बीच में कार्य कर रहा है और यह पाँच दिवसीय प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद आप सदैव इस परिवार के साथ जुड़े रहेंगें। यदि भविष्य में आपको किसी भी जानकारी के लिए पुस्तिका में अंकित वैज्ञानिकों के मोबाइल से सम्पर्क स्थापित कर कृषि समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। हमारे अन्न दाता का विकास ही हमारे देश का विकास है। उन्होनें बताया कि प्राकृतिक खेती से सम्बन्धित प्राप्त प्रशिक्षण से अपने सामान्य जीवन में इसका उपयोग करें । प्राकृतिक खेती करने से स्वास्थ्य, स्वस्थ भोजन, स्वस्थ उत्पादन करने का समुचित प्रयास करें। कृषकों के खेत, बागवान, डेयरी में बिना रसायन का उत्पादित खाद्यान्न / सब्जी / फल-फूल / दूध होने से आने वाले समय की मांग को निश्चित रूप से सामान्य जीवन में एक बदलाव की स्थिति नजर आयेगी ।

कृषक बन्धुओं को धीरे-धीरे प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर होना चाहिए। निश्चित रूप से पाँच दिनों के प्रशिक्षण में नई दिशा प्राप्त हुई होगी। निदेशक प्रसार ने कृषकों को मृदा जाँच एवं मृदा स्वास्थ्य सुधार के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही साथ उन्होंने बॉस के द्वारा अधिक आय कैसे प्राप्त करें विषयक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित प्रो0 (डा0) ए. के. चौरसिया, संयुक्त निदेशक प्रसार ने कृषकों को बीज उत्पादन तकनीकी की जानकारी प्रदान की। वैज्ञानिक डा0 मुकेश पी. मसीह ने बताया कि प्राकृतिक खेती के साथ संरक्षित खेती (पॉली हाउस / ग्रीन हाउस) के माध्यम से सब्जी फलदार वृक्ष, फूल का उत्पादन करना चाहिए। प्राकृतिक खेती की तकनीकी जानकारी की चर्चा करते हुए कृषकों को कृषि उत्पादन में कम लागत की तकनीकी जानकारी विस्तृत रूप से दी । डा0 अजय कुमार, पूर्व विषय वस्तु विशेषज्ञ, वेजवीवेज ने कृषकों को बीजामृत, जीवामृत, पंचगव्य बनाने की तकनीकी जानकारी प्रदान की । वैज्ञानिक डा0 टी. डी. मिश्रा ने कृषकों को फलदार वृक्षों का पौधरोपण हेतु विस्तृत जानकारी दी एवं अवगत कराया कि फसलदार वृक्षों में प्रमुख रूप से कलमी पौधे का चयन करें तथा उचित गुणवत्तायुक्त प्रजाति मुख्य रूप से सावधानी बरतते हुए प्रजातिवार सुनिश्चित करें ।

फलदार वृक्षों / बागों में फलों की तुड़ाई के उपरान्त वृक्षों की काट-छांट अवश्य करनी चाहिए जिससे रोग एवं कीट से प्रभावित शाखाओं को अलग करना चाहिए । काट-छाँट हेतु तेज धार सेकेटियर / विद्युत चलित आरी / स्वचालित आरी का प्रयोग करें, कटाई के उपरान्त गाय के ताजे गोबर का लेपन कर दें जिससे फफूंदजनित बीमारियों का प्रकोप कम हो। वैज्ञानिक डा0 सुबोध यादव एवं प्रो0 (डा0) रामपाल सिंह ने कृषकों को पशुओं के रख-रखाव एवं उनके खान-पान की जानकारी प्रदान की । वैज्ञानिक डा0 सरवेन्द्र कुमार एवं डा0 शिशिर कुमार ने कृषकों को खेती की नवीन तकनीकियों के विषय में जानकारी प्रदान की । डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव ने वर्मी कम्पोस्ट बनाने की जानकारी प्रदान की । डा0 मनीष कुमार केसरवानी ने खाद्य प्रसंस्करण की तकनीकों से कृषकों को अवगत कराया। श्रीमती मीना नेथन ने मोटे अनाज से प्रसंस्कृत उत्पादों के विषय में जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ प्रायोगात्मक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। प्रशिक्षण अवधि में टीम लीडर श्री धनन्जय कुमार पाण्डेय कृषकों के साथ उपस्थित रहे तथा प्रसार निदेशालय द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण की सराहना की। कार्यक्रम समापन के दौरान कृषकों को प्रशिक्षण किट / बैग, साहित्य एवं प्रमाण पत्र वितरित किया गया ।

जी. एल. बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में भव्य शैक्षणिक आयोजन

नोएडा। जी. एल. बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ने एक भव्य शैक्षणिक समारोह का सफल आयोजन किया, जिसमें ज्ञानदीप अवॉर्ड सेरेमनी 2025, अंतरराष्ट्रीय डेलीगेशन मीट, एमओयू सेरेमनी और अंतरराष्ट्रीय गेस्ट लेक्चर शामिल रहे। यह आयोजन उत्सव, सहयोग और ज्ञान-विनिमय का अद्वितीय संगम बना। इस विशेष अवसर पर शिक्षकों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। रिसर्च एक्सीलेंस अवॉर्ड - डॉ. अंबुज सक्सेना (एमई) और डॉ. पुर्णेंदु शेखर पांडे (ईसीई) कंसिस्टेंट परफॉर्मेंस अवॉर्ड - डॉ. संजीव कुमार (एमसीए), डॉ. कृषाणु कुंडु (ईसीई) और डॉ. पंकज कुमार (सीएसई) यंग फैकल्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड - सुश्री अराधना सैनी (सीएसई) और श्री मोहम्मद अनस (एमबीए) डाइवर्सिटी एंड इंक्लूजन अवॉर्ड - डॉ. पायल गर्ग (सीएसई), सुश्री श्वेता सिंह (एमबीए), सुश्री दीपकिरण मुनजल (एमसीए), सुश्री प्रियंका दत्ता (ईईई) प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य अवॉर्ड - डॉ. पी. सी. वशिष्ठ (CSIT) और डॉ. पुर्णेंदु शेखर पांडे (ECE) संस्थान ने यूरोप के यूनिवर्सिटी ऑफ माल्टा से आए विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इसमें शामिल रहेः प्रो. कार्ल जेम्स डेबोनो (डीन, फैकल्टी ऑफ ICT, अपने परिवार सहित) प्रो. ललित गर्ग (प्रोफेसर, कंप्यूटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, फैकल्टी ऑफ ICT) प्रो. नेविल कैल्जा (हेड ऑफ डिपार्टमेंट, पब्लिक हेल्थ, फैकल्टी ऑफ मेडिसिन एंड सर्जरी) उनकी उपस्थिति और संवाद ने भविष्य के वैश्विक अकादमिक एवं अनुसंधान सहयोगों का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर एक ऐतिहासिक घोषणा भी की गई - यूनिवर्सिटी ऑफ माल्टा ने जी. एल. बजाज के छात्रों को दिसम्बर 2025 में माल्टा भ्रमण हेतु पूर्ण आर्थिक सहयोग के साथ आमंत्रित किया है। यह छात्रों के लिए वैश्विक शिक्षा और exposure का शानदार अवसर होगा। इस आयोजन में निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रीति बजाज भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

उन्होंने फैकल्टी और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं अकादमिक उत्कृष्टता के नए आयाम अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर जी. एल. बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के उपाध्यक्ष श्री पंकज अग्रवाल ने कहा -'ज्ञान और सहयोग का यह उत्सव जी. एल. बजाज की उस परंपरा को दर्शाता है, जहाँ शिक्षा सिर्फ एक साधन नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और नवाचार की दिशा में एक निरंतर यात्रा है। यह आयोजन हमारे छात्रों और शिक्षकों के लिए नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ने का अवसर है।' यह आयोजन डीन, विभागाध्यक्षों, फैकल्टी सदस्यों, छात्रों और अंतरराष्ट्रीय मेहमानों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ सम्पन्न हुआ और संस्थान के अकादमिक उत्कृष्टता, समावेशिता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति संकल्प को और सुदृढ़ किया।

सेवा सप्ताह पखवाड़ा, Happy Birthday PM Modi, 'स्वच्छता ही सेवा, सेवा ही सच्चा धर्म'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। यशस्वी प्रधानमंत्री माद श्री Narendra Modi जी के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे 'सेवा पखवाड़ा' कार्यक्रम के अंतर्गत आज तीसरे दिन सोनभद्र के वार्ड नंबर 3 रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित स्वच्छता अभियान में सहभागिता की।स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। जब समाज का हर वर्ग इस संकल्प में भागीदार बनेगा तभी हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, स्वस्थ, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत दे पाएंगे। माद प्रधानमंत्री जी के स्वच्छ भारत मिशन को जन-जन का आंदोलन बनाने हेतु हम सबका दायित्व है कि अपने घर, गली और समाज को स्वच्छ रखकर 'घर-घर स्वदेशी, घर-घर समृद्धि' का संकल्प पूरा करें। सेवा सप्ताह पखवाड़ा कार्यक्रम में सदर ब्लाक प्रमुख क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा काशी क्षेत्र अजीत रावत नगर मंडल अध्यक्ष भाजपा श्री विनय श्रीवास्तव दिनेश भारती अविनाश शुक्ला मोहन भारती राहुल शर्मा अंकित जायसवाल संतोष सरदार विकास चौबे नर्मदा केसरी अंशु अग्रहरि आशीष केसरी संजय भारती मनीष कुमार द्वारा किया गया इसका कार्यक्रम में नगर के पदाधिकारी / कार्यकर्ता उपस्थित रहे त

टेली मानस कार्यक्रम के तहत टोल फ्री नंबर 14416 अथवा 1800 891 4416 एवं इसकी उपयोगिता के विषय में जनमानस को करें जागरूकः सीएमओ

रायबरेली। टेली मानस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदान की जाने वाली मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जनमानस को किया जाए जागरूक। मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन चंद्रा ने बताया है कि राष्ट्रीय टेली मानस स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत (राष्ट्रीय टेली मानस स्वास्थ्य हेल्पलाइन) सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में 20 भाषाओं में सातो दिन निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य सेवायें प्रशिक्षित परामर्शदाता द्वारा निरन्तर प्रदान की जा रही है। साथ ही टेली मानस एप्लीकेशन को अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराया गया है। भारत सरकार द्वारा टेली मानस सेवाओं के बारे में जनमानस को जागरूक किए जाने के लिए अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अन्तर्गत विभिन्न जनसंख्या समूहों को लक्षित करते हुए 06 आई0ई0सी0 वीडियो भी विकसित किये गये है। जो कि गूगल ड्राइव लिंक Google Drive link-https://drive.google.com/drive/u/6/folders/1B EvQV3Gv80Mozx5T-mhVOKSVCEWEKU के माध्यम से प्रेषित किये गये है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया है कि प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन के माध्यम से टेली मानस कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा टेली मानस दूरभाष 'टोल फी नम्बर-14416 अथवा 1800 891 4416' एवं एप्लीकेशन (अंग्रेजी एवं हिन्दी) का प्रचार-प्रसार किये जाने के दिशा-निर्देश जारी किये गये है। जिसके अनुसार सभी स्वास्थ्य इकाईयों (नगरीय एवं ग्रामीण), आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, उपकेन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामु0स्वा0 केन्द्रों, जिला चिकित्सालयों, स्कूल, कॉलेजों, मेडिकल कॉलेज पर टेली मानस टोल फ्री नम्बर 14416 अथवा 1800 891 4416 आई0ई0सी0 वीडियो एवं टेली मानस एप्लीकेशन (क्यू0आर0 कोड) को रजिस्ट्रेशन काउंटर, समस्त ओ0पी0डी0 क्षेत्र, वार्ड (महिला एवं पुरुष), प्रतीक्षा स्थले।

'आजाद अधिकार सेना' पार्टी की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना

क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जरहां के सेवकामोड़ में 'आजाद अधिकार सेना' की बैठक पार्टी के विधान सभा अध्यक्ष सतेश्वर जायसवाल की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय सेवकामोड़ में हुई। बैठक के मुख्य अतिथि आजाद अधिकार सेना के पूर्वांचल प्रभारी उत्तर प्रदेश डॉ बी नाथ एवं विशिष्ट अतिथि डॉ शोभित सिंह जिला अध्यक्ष लवकुश कुमार जिला सचिव मनोज विश्वकर्मा मंडल उपाध्यक्ष वाराणसी जोन अन्य सदस्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने पार्टी के उद्देश्यों को प्रकाश डालते हुए अपने संबोधन में कहा कि पार्टी का कर्तव्य ही अन्याय, अत्याचार व भ्रष्टाचार के खिलाफ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुंचाना है। संबोधन की अगली कड़ी में उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी व्यक्ति जो किसी भी प्रकार के जुल्म का शिकार हुआ हो, उसके लिए हम सभी उसके कदम से कदम मिलाकर साथ चलने का काम करेंगे। आगे पार्टी के विस्तार पर आपसी चर्चा हुई, साथ ही अधिक से अधिक लोगों से जनसंपर्क कर पार्टी में जोड़कर मजबूती प्रदान करने पर बल दिया गया।

पेड़ हैं तो प्राण हैं अभिया के तहत बरहमोरी में मोबाईल टावर व एक पचास बेड के अस्पताल बनाया जायःसंदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज विधानसभा

401 के तरिया क्षेत्र में 'पेड़ हैं तो प्राण हैं' अभियान के तहत शुक्रवार को वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान अभियान के संयोजक संदीप मिश्रा एवं ग्रामीणों ने एक महत्वपूर्ण मांग रखी। की इस क्षेत्र में मोबाईल टावल जल्द लगाया जाय व एक पचास बेड का अस्पताल बनाया जिस बात पर मिश्रा ने जिलाधिकारी का ध्यान इन विन्दुओ पर गम्भीरता से विचार कर पूरा कराने का आग्रह किय कार्यक्रम में युवाओं को सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही परिवार की एकता और कुटुंब प्रबोधन पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में अभियान 'पेड़ है तो प्राण है' के संयोजक संदीप मिश्रा ने वहां उपस्थित सभी को पौधे वितरित किए गए और उन्हें पेड़ लगाने व संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान उमाशंकर यादव जोगेन्दर कुमार कलावती माझी सुमेरन खरवार बाबूलाल चेरो दिनेश पनिका मुरहु गोण बसमतिया रन्नू देवी छबिली सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

धान क्रय केन्द्र से बाहर हुई समिति, किसानों ने जताई नाराजगी,एडीएम को सौंपा ज्ञापन, कहा- दूरस्थ केन्द्रों पर भटकने को मजबूर होंगे किसान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । चतरा विकास खण्ड के रामगढ़ साधन सहकारी समिति

लिमिटेड को इस वर्ष धान क्रय केन्द्रों की सूची से बाहर कर दिए जाने पर किसानों में आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार को समिति के अध्यक्ष व जुड़े किसानों ने भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. धर्मवीर तिवारी से मुलाकात कर अपनी समस्याओं को बताया। इसके बाद श्री तिवारी किसानों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समिति को पुनः सूची में सम्मिलित करने की मांग की। समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि रामगढ़ साधन सहकारी समिति जनपद की पाँच सबसे बड़ी समितियों में से एक है। समिति के लगभग 2700 सदस्य सीधे धान और गेहूँ विक्रय कार्य से जुड़े हुए हैं। विगत वर्ष इस समिति द्वारा संचालित क्रय केन्द्र पर पूरे जिले में सबसे अधिक धान खरीदा गया था। इसके बावजूद इस वर्ष अज्ञात कारणों से समिति का नाम सूची से हटा दिया गया है। किसानों का कहना है कि यदि समिति को क्रय केन्द्रों से बाहर रखा गया तो उन्हें अपनी उपज की बिक्री के लिए दूर-दराज़ के केन्द्रों पर भटकना पड़ेगा। इससे न केवल किसानों का समय और धन दोनों बर्बाद होंगे, बल्कि उनकी उपज का उचित मूल्य भी समय पर नहीं मिल पाएगा। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. धर्मवीर तिवारी ने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं, देश की अर्थव्यवस्था और गांव की मजबूती किसानों पर ही टिकी है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों की मंशा हमेशा से किसानों के उत्थान और हित में रही है। इस परिस्थिति में किसानों को परेशानी में डालना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। रामगढ़ समिति का नाम धान क्रय केन्द्रों की सूची से हटाना उन हजारों किसानों के साथ अन्याय है जो अपनी उपज बेचने के लिए इसी केन्द्र पर निर्भर रहते हैं। प्रशासन को चाहिए कि किसानों की भावनाओं और उनकी वास्तविक समस्याओं को गंभीरता से समझे और तत्काल इस समिति को धान क्रय केन्द्रों की सूची में शामिल करे, ताकि किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य समय पर मिल सके और उन्हें भटकना न पड़े। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समिति को शीघ्र ही धान क्रय केन्द्रों की सूची में शामिल कर पुनः संचालित नहीं किया गया तो वे आंदोलन के लिए विवश होंगे। ज्ञापन देने वालों में सुमित कुमार मिश्र, अनिल मिश्रा, विवेक मिश्रा, राम अधार शर्मा, राजाराम मौर्य, अनिल पटेल, रमाकांत देव सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

रामलीला ग्राउंड में सदर विधायक ने चलाया स्वच्छता अभियान,रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वे जन्मदिन के अवसर पर चल

रहे सेवा पखवाड़ा में शुक्रवार को रावटसगंज नगर स्थित रामलीला मैदान परिसर में सदर विधायक भूपेश चौबे के नेतृत्व में चलाया गया स्वच्छता अभियान। वही सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री मोदी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत है उनके नेतृत्व में देश ने नई ऊंचाइयों को छुआ है उनके जन्मदिन सप्ताह पखवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं उसी क्रम में नगर स्थित रामलीला मैदान परिसर में होने वाले रामलीला को देखते हुए साफ सफाई व सुंदरीकरण के साथ संबंधितों से आगामी रामलीला की व्यवस्था को लेकर की गई चर्चा। वहीं सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि रामचरित मानस से लोगों में नई ऊर्जा का संचार होता है और हमारे भारतीय संस्कृति के तहत परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है वहीं सदर विधायक में नगर पालिका अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार व जेई राज कुमार को निर्देशित किया कि ग्राउंड परिसर के बेहतर तरीके से साफ सफाई की व्यवस्था रहे जिससे कि आगामी रामलीला शुरू होने पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार से कोई अशुद्ध उपलब्ध न हो इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष कृष्ण मुरारी गुप्ता ,प्रकाश केसरी ,बलराम सोनी, ध्रुव कान द्विवेदी ,राजन गुप्ता,जिला मीडिया प्रभारी अनूप तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आक्रोशी छात्राओं ने कलेक्ट्रेट पर किया विरोध प्रदर्शन,विद्यालय प्रबंधन पर लगाए कई आरोप कार्रवाई की उठाई मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्राइवेट विद्यालय द्वारा छात्राओं के साथ हुई धोखाधड़ी वी विद्यालय प्रबंधन द्वारा दी जा

रही धमकी के खिलाफ शुक्रवार को छात्रों द्वारा कलेक्ट्रेट परिषद में विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी प्रतिनिधि को ज्ञापन देकर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की उठाई मांग बुलंद की आवाज। वहीं अनीता , अर्चना , शिवकुमारी , संगीता , नीलम , अन्नू रितिका , संगम , किरन , सावित्री , रंजना , प्रिया समस्त छात्रा तहसील-घोरावल क्षेत्र के निवासी हैं। तथा निहायत गरीब व असहाय हैं, प्रार्थिनीगण द्वारा शिक्षा हेतु बी0बी0 पैरामेडिकल एण्ड नर्सिंग इन्स्टीट्यूट के अन्तर्गत बीरमती विद्या महाविद्यालय केवली मय देवली, तहसील घोरावल, के अन्तर्गत ए0एन0एम0 दो वर्षिय कोर्स के लिए सन् 2022-2024, 2023-2025 के लिए प्रवेश लिया गया था, हम प्रार्थिनीगण से मु0 1,25,000/-रू0 व किसी मु0- 1,50,000/-रू0 तो किसी से मु0- 2,00,000/- रू0 तो किसी से मु0- 2,40,000/-रूपया लेकर प्रवेश दिया गया था। प्रार्थिनीगणों से फर्जी तरीके से ओम प्रकाश कालेज ऑफ पैरामेडिकल एण्ड साईन्स राबर्ट्सगंज, द्वारा कुछ छात्राओं को प्रवेश पत्र देकर अंक पत्र दिया गया है जो पूरी तरह से फर्जी है वैध नहीं हैं, तथा सन् 2022-24 व 2023-25 के छात्राओं का कोई परीक्षा नही कराया गया। विद्यालय के प्राचार्य मनोज वैसवार से बात करने पर उल्टी-सीधी बात करके कालेज से भगा देते हैं, और कहते हैं कि हम तुम लोगों का कोई परीक्षा नही करायेगें और कहते हैं कि जो करना हो जाकर करों, इस प्रकार धनराशि हड़पकर प्रबन्धक व प्राचार्य द्वारा हम छात्राओं के साथ नाइन्साफी किया जा रहा है, तथा पान गुटका की दुकान की तरह विद्यालय खोलकर हम छात्राओं का शोषण किया जा रहा है जो भोले भोले गरीब छात्राओं को अन्धकार में रखकर निर्दयता पूर्वक यातना दी जा रही है। प्राचार्य मनोज वैसवार व प्रबन्धक सुरेश कुमार पाण्डेय के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही किया जाना जरूरी है, चूंकि हम छात्राओं का शोषण करके मनमाने तरीके से तथा फर्जी अंक पत्र देकर गुमराह किया जा रहा है।

उपरोक्त के बावत उपजिलाधिकारी घोरावल, को पिछले 11.09. को प्रार्थना पत्र दिया तो उन्होने बताया कि एक सप्ताह बाद मिलों उसके बाद मिलने पर आना कानी कर रहे हैं, तथा गुमराह कर रहे है। प्रबन्धक से एस0डी0एम0 घोरावल मिल करके शोषण करवा रहे है। छात्राओं ने जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए कहा कि प्रार्थिनीगणों के प्रार्थना पत्र स्वीकार कर बीरमती महाविद्यालय के प्रबन्धक व प्राचार्य के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करके हम प्रार्थिनीगण का रूपया वापस करने की कृपा करें।

अल्पसंख्यक विभाग सोनभद्र के अधीन संचालित मदरसा के बच्चों ने किया सूचना विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सूचना एवं जनसंपर्क

विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में 16 दिवसीय सेवा भाव अन्तर्गत सूचना प्रदर्शनी आरटीएस क्लब परिसर नगरपालिका राबर्ट्सगंज के सामने अल्पसंख्यक विभाग सोनभद्र द्वारा मान्यता प्राप्त एवं संचालित शिक्षण संस्थान रजा मेमोरियल पब्लिक स्कूल पगिया कर्मा के बच्चों द्वारा प्रदर्शनी का भ्रमण एवं अवलोकन किया गया। उक्त प्रदर्शनी का शुभारंभ जिलाधिकारी सोनभद्र श्री बद्रीनाथ सिंह के निर्देशानुसार एवं मा0 जनप्रतिनिधिगण द्वारा दिनांक 17 सितम्बर 2025 को किया गया एवं उक्त के क्रम में समस्त शिक्षण संस्थान को एक समय और दिन निर्धारित कर बच्चों और शिक्षकों को सूचना प्रदर्शनी का भ्रमण कराने ज्ञानवर्धन कराने का विचार प्रकट किया गया था।

उक्त के क्रम में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सोनभद्र के अधीन संचालित एवं मान्यता प्राप्त मदरसा राजा मेमोरियल पब्लिक स्कूल पगिया विकास खंड करमा के बच्चों द्वारा सूचना प्रदर्शनी का परिभ्रमण एवं अवलोकन किया गया। उक्त अवसर पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सोनभद्र श्री सुधांशु शेखर शर्मा भी उपस्थित थे एवं इनके द्वारा बच्चों से वार्ता करते हुए प्रदर्शनी के महत्व एवं योजनाओं के उद्देश्य एवं प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। मदरसा के छात्र छात्राओं द्वारा स्वयं से एक एक प्रदर्शित सूचना का अवलोकन किया गया एवं अपनी डायरी पर नोट किया गया।

बच्चे बहुत उत्साहित एवं प्रसन्न थे। बच्चों द्वारा जिलाधिकारी सोनभद्र एवं सूचना विभाग को धन्यवाद दिया गया।

उक्त अवसर पर मदरसा के प्रधानाचार्य शरीफ अहमद प्रबंधक, प्रमोद कुमार शिक्षक, अभिषेक कुमार शिक्षक एवं जन्नत खातून शिक्षिका बच्चों के साथ उपस्थित थे।

वन स्टॉप सेंटर सोनभद्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज दिनांक 19/9/25 को जिला प्रोबेशन अधिकारी महोदय के निर्देशन के क्रम में जिला सोनभद्र में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार सेवा पखवाड़ा दिनांक 19/9/25 थीम डन स्टाप सेंटर पर हिंसा से पीड़िता महिलाओं हेतु कानूनी सहायता हेतु परामर्श सिविर का आयोजन वन स्टॉप सेंटर सोनभद मे किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधिक सेवा प्राधिकरण के डिप्टी चीफ श्री सत्यारमन त्रिपाठी, मीडीएटर श्री अनिल कुमार सिंह एवं श्री प्रभात कुमार मिश्रा रहे, जिन्होंने वन स्टाफ सेंटर में आश्रित बालिकाओं को कानूनी की विस्तृत जानकारी दी, वन स्टॉप सेंटर, बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम द्वारा महिला हिंसा रोकथाम हेतु जागरूक कर महिला कल्याण विभाग की समस्त योजनाओं,वन स्टॉप सेंटर योजना,बाल सेवा योजना,मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना,दत्तक ग्रहण इकाई, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,1098,181, 1090, 112, 1930, 1076 आदि समस्त हेल्प लाइन नंबरों की जानकारी दी गई साथ ही बाल विवाह के बारे में जागरूक करते हुए बताया गया कि लड़की की सही उम्र 18 और लड़के की सही उम्र 21 साल होनी चाहिए तभी यह विवाह मान्य होगा।

अगर उनके आसपास ऐसी घटना होती है तो वह इसकी सूचना उपरोक्त हेल्पलाइन नंबर को दे सकते है तथा ऑनलाइन शी पोर्टल व मिशन शक्ति के तहत अपना अपॉइंटमेंट बुक करके आपनी शिकायत दर्ज करा सकती है।

कार्यक्रम में उपस्थित वन स्टाफ सेंटर केंद्र प्रशासक श्रीमती दीपिका सिंह, काउंसलर श्रीमती रेनू सिंह, केस वर्कर सुश्री तनु सिंह एवं श्रीमती अनुराधा जायसवाल, पैरामेडिकल नर्स श्रीमती प्रियंका सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर सुश्री आकांक्षा पाण्डेय, बाल संरक्षण इकाई से सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती आकांक्षा उपाध्याय, चाइल्ड हेल्पलाइन से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर श्री मुकेश सिंह, केस वर्कर श्रीमती सीमा शर्मा व सुपरवाइजर सुश्री सुधा गिरी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय 'सैनिक बन्धु की बैठक'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी के

निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्ती की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में सी.ओ.नगर रणधीर कुमार मिश्रा, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त श्रम रोजगार तथा पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों द्वारा भाग लिया गया। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिकों की भूमि विवाद / नाली की समस्या / खेत का सीमांकन / रास्ते की समस्या, विद्युत आपूर्ति हेतु नया ट्रांसफार्मर लगवाने / विद्युत पोल की समस्या, पूर्व सैनिको को मोबाईल कैंटीन सुविधा दिलाने इत्यादि गम्भीरता से सुनने के बाद मुख्य विकास अधिकारी ने निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा।

पुलिस के कातिलाना हमले के विरोध अधिवक्ताओ का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वाराणसी में अधिवक्ता

के ऊपर पुलिस के कातिलाना हमले के विरोध में शुक्रवार को सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र अध्यक्ष अरूण कुमार मिश्रा एडवोकेट अध्यक्ष की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय एवं तहसील सदर परिसर में नारेबाजी के साथ चक्रमण किया गया!जिसमें अधिवक्ताओं ने कहा कि वाराणसी के अधिवक्ताओं के ऊपर दर्ज एफआईआर को वापस लिया जाय,तथा पुलिस के क्रियाकलापों की जांच करायी जाय, उत्तर प्रदेश में लगातार अधिवक्ताओं की हो रही हत्या एवं उत्प्रीडात्मक कार्यवाही की जांच के साथ ही तत्काल विचाराधीन एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को लागू किया जाय। प्रदर्शन में अशोक प्रसाद श्रीवास्तव, हेमनाथ द्विवेदी, उमेश मिश्रा, शेषनारायण दीक्षित, चंद्र प्रकाश दुबे,रमेश चौबे,अतुल प्रताप सिंह (पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष डिस्ट्रिकट बार एसोसिएशन सोनभद्र धीरज कुमार पाण्डेय, राजीव सिंह गौतम, प्रबोध सिंह, अरुण सिंघल, सचिन पटेल, रमेश चौबे, त्रिपुरारी मिश्रा, प्रदीप सिंह, रोशन लाल यादव, शक्ति सेन, अनिल कुमार मौर्य, अविनाश रंजन त्रिपाठी, सअभिषेक श्रीवास्तव, उत्कर्ष दीक्षित, विनोद जायसवाल, राजनीश, कामिनी सिंह, आरती पाण्डेय आदि सैकड़ों अधिवक्ता अधिवक्ता हितार्थ मांग किया तथा वाराणसी के अधिवक्ताओं का पुरजोर समर्थन किया।

बरहमोरी में मोबाईल टावर व एक अस्पताल बनाया जायःसंदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज विधानसभा के तरिया क्षेत्र में 'पेड़ हैं तो प्राण हैं' अभियान के तहत शुक्रवार को

पौधारोपण किया गया। इस दौरान अभियान के संयोजक संदीप मिश्रा एवं ग्रामीणों ने एक महत्वपूर्ण मांग रखी। की इस क्षेत्र में मोबाईल टावल जल्द लगाया जाय व एक पचास बेड का अस्पताल बनाया जिस बात पर मिश्रा ने जिलाधिकारी का ध्यान इन विन्दुओ पर गम्भीरता से विचार कर पूरा कराने का आग्रह किय कार्यक्रम में युवाओं को सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही परिवार की एकता और कुटुंब प्रबोधन पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में अभियान 'पेड़ है तो प्राण है' के युवा समाजसेवी संयोजक संदीप मिश्रा ने वहां उपस्थित सभी को पौधे वितरित किए गए और उन्हें पेड़ लगाने व संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान उमाशंकर यादव जोगेन्दर कुमार कलावती माझी सुमेरन खरवार बाबूलाल चेरो दिनेश पनिका मुरहु गोण बसमतिया रन्नू देवी छबिली सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

एशिया कप सुपर-4 की चारों टीमें फाइनल,अफगानिस्तान बाहर, श्रीलंका-बांग्लादेश क्वालिफाई,पाकिस्तान के बाद बंगाल से भिड़ेगी टीम इंडिया

नयी दिल्ली। एशिया कप में ग्रुप स्टेज के 11 मैच खत्म होने के बाद सुपर-4 स्टेज की चारों टीमें तय हो चुकी हैं। गुरुवार को ग्रुप-बी में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हराकर उन्हें बाहर कर दिया। इस नतीजे से बांग्लादेश टीम भी श्रीलंका के साथ अगले राउंड में पहुंच गई। ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान ने क्वालिफाई किया। श्रीलंका ने बांग्लादेश को क्वालिफाई करवाया गुरुवार को श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच अबू धाबी में मैच खेला गया। अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 169 रन बनाए। श्रीलंका को क्वालिफाई करने के लिए 101 रन की जरूरत थी। टीम ने न सिर्फ इस स्कोर को पार किया, बल्कि 19वें ओवर में मुकाबला भी जीत लिया। ग्रुप-बी में श्रीलंका ने लगातार तीसरा मैच जीता और 6 पॉइंट्स लेकर अगले राउंड में जगह बनाई। अगर श्रीलंका टीम 101 रन बनाने के बाद मैच हार जाती तो बेहतर रन रेट के कारण अफगानिस्तान क्वालिफाई कर जाती और बांग्लादेश बाहर हो जाती। हालांकि, श्रीलंका ने मैच जीता और अपने साथ बांग्लादेश को भी अगले राउंड में एंट्री दिलवा दी। बुधवार को ग्रुप-ए से पाकिस्तान ने सुपर-4 राउंड में एंट्री की थी। इसी के साथ तय हो गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच अगला मैच 21 सितंबर को दुबई में होगा। इस राउंड में भारत 24 सितंबर को बांग्लादेश और 26 सितंबर को श्रीलंका से भिड़ेगा। सुपर-4 के पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पोजिशन पर रहने वाली टीमों के बीच 28 सितंबर को दुबई में फाइनल खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज में भारत और ओमान का एक मैच बाकी है। यह मुकाबला आज अबू धाबी में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने अगले राउंड में एंट्री कर ली है, टीम अगर आज हार भी गई तो शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा। ऐसे में भारतीय टीम आज फ्लेइंग-11 में नए प्लेयर्स को मौका दे सकती है।

मोहम्मद नबी ने लगातार 5 छक्के लगाए,इंजर्ड हुए राशिद ने डाइविंग कैच पकड़ा, कुसल परेरा का बाउंड्री पर जगलिंग कैच, मोमेंट्स

नयी दिल्ली। एशिया कप के 11वें मैच में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया। इस नतीजे से श्रीलंका के साथ बांग्लादेश ने भी सुपर-4 स्टेज में जगह बना ली। गुरुवार को अबू धाबी में मोहम्मद नबी ने दुनिथ वेल्लालागे के खिलाफ लगातार 5 छक्के लगाए। वहीं कुसल परेरा ने बाउंड्री पर बेहतरीन जगलिंग कैच पकड़ा। श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान मैच के मोमेंट्स- 1. नुवान थुषारा को एक ओवर में 2 विकेट श्रीलंका से नई बॉल लेकर आए तेज गेंदबाज नुवान थुषारा ने पारी के तीसरे ओवर में 2 विकेट झटक लिए। उन्होंने ओवर की पहली गेंद पर रहमानुल्लाह गुरबाज को कुसल परेरा के हाथों कैच कराया। फिर आखिरी बॉल पर करीम जनत को बोल्ड कर दिया। थुषारा ने मैच में 4 विकेट लिए। 11वें ओवर में कुसल परेरा ने बाउंड्री पर बेहतरीन जगलिंग कैच पकड़ा। ओवर की तीसरी बॉल दुष्मंथा चमीरा ने बाउंसर फेंकी। दारविश रसूली ने अपर कट शॉट खेला, लेकिन गेंद थर्ड मैन बाउंड्री पर खड़े परेरा की ओर चली गई। परेरा ने कैच पकड़ा, लेकिन वे मोमेंटम में बाउंड्री के बाहर जाने लगे। उन्होंने गेंद को हवा में उछाला, फिर बाउंड्री के अंदर आए और बेहतरीन कैच पकड़ लिया। 15वें ओवर में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने नो-लूक सिक्स लगाया। दसुन शनाका ने ओवर की तीसरी बॉल गुड लेंथ पर लेग स्टंप की ओर फेंकी। राशिद ने पिच पर ही नजर रखी और गेंद को ग्राउंड के बाहर पहुंचा दिया। उन्होंने 23 गेंद पर 24 रन बनाए। 18वें ओवर में अफगानिस्तान के राशिद खान ने बोल्ड होने के बाद रिव्यू ले लिया। दरअसल, ओवर की पहली बॉल नुवान थुषारा ने मिडिल स्टंप की ओर स्लोअर यॉर्कर फेंकी। राशिद ने स्वीप शॉट खेला, लेकिन गेंद उनके पैर पर लग गई। श्रीलंका ने ैं की अपील की और अंपायर ने आउट देने का मन बना लिया। राशिद ने रिव्यू का इशारा भी कर दिया, लेकिन इतने में बॉल लुड़कते हुए स्टंप्स से टकरा गई। अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी ने 20वें ओवर में श्रीलंका के लेफ्ट आर्म स्पिनर दुनिथ वेल्लालागे के खिलाफ लगातार 5 छक्के लगा दिए। नबी ने शुरुआती 3 गेंदों पर लॉन्ग ऑन और लॉन्ग ऑफ की दिशा में छक्के लगा दिए। अगली गेंद वेल्लालागे ने वाइड फेंकी, लेकिन थर्ड अंपायर ने बताया कि इस गेंद पर बॉलर का पैर पॉपिंग क्रीज से बाहर चले गया था। इस कारण गेंद नो-बॉल रही। ओवर की चौथी गेंद फ्री हिट थी, इस पर नबी ने लॉन्ग ऑफ के ऊपर से लगातार चौथा छक्का लगा दिया। ओवर की पांचवीं बॉल शॉर्ट पिच थी, यहां नबी ने मिड-विकेट और लॉन्ग ऑन के बीच छक्का लगा दिया। आखिरी गेंद वेल्लालागे ने वाइड यॉर्कर फेंक दी। इस पर नबी छक्का नहीं लगा सके, वे इस गेंद पर 1 रन बनाकर रन आउट हो गए। उन्होंने पारी में 60 रन बनाए। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने 15वें ओवर में डीप मिड-विकेट पोजिशन पर डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ लिया। अगले ही ओवर में बॉलिंग करने के दौरान वे इंजर्ड भी हो गए। जिस कारण वे फील्ड से बाहर चले गए। मोहम्मद नबी ने महज 20 गेंद पर फिफ्टी लगा दी। यह अफगानिस्तान के लिए टी-20 में सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी रही। उनसे पहले इसी एशिया कप में अजमतुल्लाह ओमरजई ने हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ भी 20 गेंद पर फिफ्टी लगाई थी। नबी आयरलैंड के खिलाफ 21 गेंद पर भी फिफ्टी लगा चुके हैं। नबी ने पारी के 20वें ओवर में 32 रन बटोरे थे। यह अफगानिस्तान से एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड रहा। पिछला रिकॉर्ड भी नबी के नाम ही था, उन्होंने 2017 में आयरलैंड के खिलाफ एक ओवर में 26 रन बनाए थे। मुकाबले में उन्होंने नूर अहमद के साथ 8वें विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप की। यह अफगानिस्तान के लिए टी-20 में 8वें विकेट के लिए बेस्ट पार्टनरशिप रही। दोनों से पहले राशिद खान और मुजीब उर रहमान ने 44 रन की पार्टनरशिप की थी।

चाइना मास्टर्स में पी.वी. सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारीं,एन से यंग ने सीधे गेमों में हराया,सिंधु अब तक उनसे नहीं जीत सकी हैं

नयी दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का वर्ल्ड नंबर-1 एन से यंग के खिलाफ हार का सिलसिला जारी रहा। शुक्रवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में सिंधु को कोरिया की इस खिलाड़ी ने सीधे गेमों में 21-14, 21-13 से हराया। यह मुकाबला मात्र 38 मिनट तक चला। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु का एन से यंग के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार थी। 23 साल की कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ सिंधु अब तक एक भी मैच नहीं जीत पाई हैं। एन से यंग पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट हैं। पहले गेम में सिंधु की शुरुआत कमजोर इस मैच में सिंधु की शुरुआत कमजोर रही। पहले 1-6 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की कोशिश की और स्कोर 5-9 तक पहुंचाया। हालांकि, एन से यंग ने बाद में 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधु ने फिर से वापसी की कोशिश की और स्कोर 11-14 तक पहुंचाया, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी। आखिरकार, एन से यंग ने पहला गेम 21-14 से जीत लिया।दूसरे गेम में सिंधु ने बढ़त बनाई, पर बाद में पिछड़ गईं दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत में 3-2 की बढ़त बनाई, बाद में एन ने वापसी की और स्कोर को 7-8 तक पहुंचाया और फिर उन्होंने बढ़त 11-7 कर लिया। बाद में एन ने इसे 14-7 कर लिया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। अंत में कोरियाई खिलाड़ी ने गेम को 21-13 से समाप्त कर जीत हासिल की। सिंधु हॉन्गकॉन्ग ओपन के पहले दौर में हार कर बाहर हो गई थीं।

दुनिथ विल्लालागे के पिता का निधन,अफगानिस्तान से मैच के बाद जानकारी मिली, श्रीलंकाई ऑलराउंडर का सुपर-4 मुकाबलों में खेलना मुश्किल

नयी दिल्ली। श्रीलंकाई ऑलराउंडर दुनिथ विल्लालागे के पिता सुरंगा विल्लालागे का गुरुवार, 18 सितंबर को निधन हो गया। उसी दिन दुनिथ अबू धाबी में अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप ग्रुप-बी का मैच में खेले थे। 22 साल विल्लालागे को अपने पिता के निधन की खबर मैच के बाद ही पता चली। यह मैच श्रीलंका ने छह विकेट से जीतकर टूर्नामेंट के सुपर-4 राउंड के लिए क्वालिफाई किया। मैच खत्म होने के तुरंत बाद वे घर के लिए रवाना हो गए। ऐसे में उनके आगे के मुकाबलों में खेलने पर संदेह पैदा कर दिया है। श्रीलंका को अभी तीन मैच खेलने हैं श्रीलंका को इस टूर्नामेंट में अभी तीन और मैच खेलने हैं। 20 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ, 23 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ और 26 सितंबर को भारत के खिलाफ खेलना है। नबी ने विल्लालागे के ओवर में 5 छक्के लगाए श्रीलंका-अफगानिस्तान मैच में अफगानी पारी के आखिरी ओवर में मोहम्मद नबी ने विल्लालागे की बॉल पर 5 छक्के लगाए। इनमें शुरुआती 3 बॉल पर लगातार 3 छक्के शामिल रहे। एक नो बॉल के बाद दो छक्के और लगे। मोहम्मद नबी ने 22 बॉल पर 60 रन की पारी खेली। इस पारी में 3 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। विल्लालागे का यह 5वां टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला था गुरुवार को श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच एशिया कप मैच विल्लालागे का पांचवां टी-20 इंटरनेशनल मैच था। ववहीं, इस टूर्नामेंट में उनका पहला मैच था। उन्होंने 31 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें उनके करियर का बेस्ट प्रदर्शन 27 रन देकर 5 विकेट अगस्त 2024 में कोलंबो में भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में आया था। उन्होंने 2023 एशिया कप के एक मैच में भी भारत के खिलाफ 40 रन देकर 5 विकेट लिए थे। 2023 में टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। उस टूर्नामेंट में वह 10 विकेट के साथ दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।विराट कोहली जब 17 साल के थे तभी उनके पिता का निधन हो गया था। एक इंटरव्यू के दौरान विराट ने बताया कि उस दौरान वो दिल्ली के फिरोज शाह कोटला मैदान पर दिल्ली और कर्नाटक के बीच रणजी ट्रॉफी का मैच खेल रहे थे। वो 40 रन बनाकर नाबाद थे और उन्हें अगले दिन बल्लेबाजी करने के लिए जाना था।

पूरा बचपन हॉस्टल में अकेले दिवाली मनाई,आज भी त्योहार पर घर जाने का मन नहीं करता, बढ़ता डिप्रेशन, अकेलापन

नयी दिल्ली। त्योहार हमारे समाज में खुशी, अपनेपन और सामूहिकता का प्रतीक माने जाते हैं। लेकिन कई लोगों के लिए यह समय खुशी का न होकर उदासी, डिप्रेशन और अकेलेपन का होता है। जब पूरी दुनिया परिवार के साथ मिलकर खुशियां मना रही होती है, कुछ लोगों के लिए ये वो वक्त होता है, जब पुराना ट्रॉमा और पुराने दर्द फिर से उभर जाते हैं। मनोविज्ञान में इसे 'फेस्टिव ब्लूज' कहा जाता है। विषय पर बात करेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी से और समझेंगे उपाय सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- बहुत पहले मैंने एक आर्टिकल में पढ़ा था फेस्टिव ब्लूज के बारे में। फेस्टिवल के समय कुछ लोग डिप्रेशन और एंग्जाइटी महसूस करते हैं। वो आर्टिकल पढ़कर मुझे लगा कि मेरे साथ भी तो कुछ ऐसा ही होता है। खासकर दिवाली और होली के टाइम पर मैं बहुत डिप्रेशन महसूस करता हूं। शायद इसका कारण फैमिली के साथ मेरे डिफिकल्ट रिश्ते हैं। मैं पांच साल का था, जब मेरी मां की डेथ हो गई। पापा ने दूसरी शादी कर ली और दूसरी मां ने कभी मुझे और मेरी बहन को अपने बच्चों की तरह एक्सेप्ट नहीं किया। रहते हम एक ही घर में थे, लेकिन मुझे मां का प्यार महसूस नहीं हुआ। पापा भी हम बच्चों से बिल्कुल डिटैच ही रहते थे। 12 साल की उम्र में मैं हॉस्टल पढ़ने चला गया। दिवाली के समय जब सारे बच्चे अपने घर जाते थे, मैं हॉस्टल में ही रहता था। अब मेरी उम्र 33 साल है और मैं दिल्ली में जॉब करता हूं। अभी भी जब फेस्टिवल का टाइम आता है और मैं अपने कुलीग्स को घर जाते या घर पर फैमिली के साथ फेस्टिवल मनाते देखता हूं तो मुझे बहुत डिप्रेशन महसूस होता है। दिवाली के दिन मैं घर पर अकेले ही रहता हूं और देर रात तक ड्रिंक करता रहता हूं। क्या आप मुझे कुछ सुझाव दे सकते हैं कि मैं अवसाद और उदासी की इस फीलिंग से कैसे बाहर निकलूं? बचपन में त्योहार का मतलब सिर्फ पटाखे, मिठाई या छुट्टियों तक सीमित नहीं रहता। यह वह समय होता है, जब बच्चा सबसे ज्यादा प्यार, अपनापन और सुरक्षा महसूस करता है। बच्चे के दिमाग में फेस्टिवल के साथ ये सारी मेमोरीज जुड़ जाती हैं- मम्मी प्यार कर रही हैं।

पापा के साथ मिलकर पटाखे फोड़ रहे हैं। मां तरह-तरह के पकवान बना रही हैं। घर में दोस्त-रिश्तेदार आ रहे हैं। चारों तरफ रौनक और चहल-पहल है। ब्रेन में यह मेमोरी सेव हो गई है कि फेस्टिवल मतलब खुशी और प्यार। अब उस बच्चे की कल्पना करिए, जिसके मन में फेस्टिवल की ऐसी कोई मेमोरी नहीं है। वो त्योहार के दिन स्कूल के हॉस्टल में अकेला है। मेस का खाना खा रहा है। हॉस्टल के बाकी सारे बच्चे घर जा चुके हैं। एकाध टीचर, मेस वर्कर ही बचे हैं। उसके ब्रेन में फेस्टिवल की मेमोरी उदासी और अकेलेपन की है। कोई भी बच्चा जब उपेक्षा और दूरी महसूस करता है, तो त्योहार उसके लिए खालीपन और असहायता का प्रतीक बन जाते हैं। जैसेकि- मां को जल्दी खो देनाः जब बच्चा पांच साल की उम्र में मां को खो दे, तो त्योहारों पर सबसे बड़ी कमी मां की अनुपस्थिति के रूप में सामने आती है। दीपावली की पूजा हो या होली की तैयारी, सब अधूरा लगता है। सौतेली मां से दूरीः अगर नई मां बच्चे को अपनेपन से न अपनाए, तो त्योहार के समय जब बाकी बच्चे सजाए-संवारे जाते हैं, उन्हें तोहफे और मिठाई मिलती है, वहीं उपेक्षित बच्चा भीतर से टूट जाता है। पिता का इमोशनली डिटैच होनाः जब पिता खुद भी भावनात्मक रूप से दूर हों, तो बच्चा पूरी तरह अकेला महसूस करता है। त्योहारों पर उसके लिए कोई सुरक्षित कोना नहीं होता। हॉस्टल में अकेलापनः जब 12 साल की उम्र से ही बच्चा त्योहारों पर हॉस्टल में रह जाए, जबकि बाकी बच्चे घर जा रहे हों, तो उसके मन को एक गहरी चोट लगती है कि 'मैं अलग हूं, मेरे पास कोई नहीं है।'

इन अनुभवों से त्योहार बच्चे के लिए 'खुशियों' की नहीं बल्कि 'खोई हुई चीजों की याद' बन जाते हैं। एडल्ट लाइफ में फेस्टिव ब्लूज- अमूमन लोग बचपन के ट्रॉमा को एडल्ट जीवन में भी कैरी करते रहते हैं। बच्चा जब बड़ा होता है, जॉब करता है और इंडीपेंडेंट होता है, तब भी त्योहार पर वही पुराना ट्रॉमा ट्रिगर होता है। ऑफिस कुलीग्स परिवार के साथ त्योहार मनाते हैं, सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालते हैं। यह सब देखकर उसके भीतर का पुराना खालीपन और गहरा हो जाता है। बचपन का पैटर्न फिर से एक्टिव हो जाता हैः त्योहार, अकेलापन, उपेक्षा, तुलना। नतीजा ये होता है कि त्योहार के दिन वह अकेले अपने कमरे में रहता है, देर रात तक शराब पीता है और डिप्रेशन महसूस करता है। यह केवल एक दिन की बात नहीं है। धीरे-धीरे यह सोच मन में पक्की हो जाती है कि 'त्योहार मेरे लिए नहीं हैं' और व्यक्ति जीवन के सुखद पलों को भी खो देता है।

गाइडलाइंस बताती हैं कि बचपन की नकारात्मक भावनात्मक यादें वयस्कता में डिप्रेशन और एंग्जाइटी का सबसे बड़ा ट्रिगर हो सकती हैं। सीबीटी की मदद से सेल्फ हेल्प- त्योहारों के मायने बदलें, नई यादें बनाएं याद रखिए, हम अतीत की घटनाओं को नहीं बदल सकते, लेकिन उनसे जुड़ा अर्थ जरूर बदल सकते हैं। यही सीबीटी (कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी) की बुनियादी सोच है। इस उदासी से बाहर निकलने और अपनी मदद करने के लिए आपको खुद कदम बढ़ाना होगा। अभी पुरानी यादें दिमाग को कंट्रोल कर रही हैं। इस नरेटिव को बदलने का तरीका ये है कि अपने लिए नई यादें बनाई जाएं, अपने जीवन की एजेंसी और कंट्रोल अपने हाथों में लिया जाए। रीराइटिंग मेमोरी- यादों को फिर से लिखना- 1. आइडेंटीफाई करनाः आपको पता है कि त्योहार नजदीक आते ही फिर से उदासी घेर सकती है। फिर अकेलापन लग सकता है। यह बचपन की छाया है, आज की सच्चाई नहीं है। 2. प्लानिंग करनाः पहले से अपनी गतिविधियां तय करें कि त्योहार के दिन आप क्या करेंगे। जैसे किसी दोस्त से मिलने जाएंगे, किसी एनजीओ के लिए कुछ करेंगे, होमलेस बच्चों के साथ त्योहार मनाएंगे और अपने लिए एक छोटा सा गिफ्ट खरीदेंगे। 3. नई याद बनानाः हर साल त्योहार के लिए कोई एक नई पॉजिटिव याद गढ़ें। पुरानी नकारात्मक यादें धीरे-धीरे अपने आप धुंधली होती जाएंगी। अतीत की जंजीरों से मुक्त होना- रिएलिटी चेकः 'क्या यह सच है कि हर त्योहार केवल दुख ही लाता है?' - अक्सर इसका जवाब होगा- 'नहीं।' , नया विश्वासः 'त्योहारों का वक्त मेरे लिए कठिन रहा है, लेकिन अब मेरे पास उसे बदलने की ताकत है।' ,एजेंसी और कंट्रोलः मैं कमजोर, असहाय बच्चा नहीं हूं। मैं एडल्ट हूं, जो अपना जीवन खुद तय करता है। अब मैं खुद तय करूंगा कि त्योहार का मतलब मेरे लिए क्या है। सप्ताह 1ःअवेयरनेसः- त्योहार और पुरानी यादों के लिंक को समझना। मूड डायरी बनाना। डायरी में लिखना- त्योहार आते ही कौन-से विचार आते हैं। जैसे- 'दूसरे खुश हैं, मैं अकेला हूं।' सप्ताह 2ः सोच को बदलना,अपने नकारात्मक विचारों को चुनौती देना।हर नकारात्मक विचार के लिए एक तर्क लिखना। जैसे उदासी होती है, लेकिन अब एजेंसी मेरे हाथ में है। मैं इस उदासी को खुशी में बदल सकता हूं। सप्ताह 3ः- त्योहार को नया अर्थ देना, त्योहार के दिन की 2-3 पॉजिटिव एक्टिविटी पहले से तय करना। दोस्तों के घर जाना। दोस्तों को घर पर बुलाना। घर को डेकोरेट करना। सप्ताह 4- रीइन्फोर्समेंट- खुद को रोज याद दिलाना, मैं अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हूं। मैं अपने लिए नई सुंदर यादें गढ़ रहा हूं। त्योहार की नई यादों को डायरी में लिखना। हर छोटी सफलता पर खुद को रिवॉर्ड देना। दिवाली पर खुद को गिफ्ट देना। शराब से उदासी को दबाने के खतरे-त्योहारों पर अकेलेपन और उदासी को अस्थायी रूप से दबाने के लिए कई लोग शराब का सहारा लेते हैं। पहली नजर में यह एक आसान समाधान लगता है, कुछ देर के लिए दर्द कम हो जाता है, नींद आ जाती है। लेकिन रिसर्च और क्लिनिकल अनुभव बताते हैं कि यह तरीका उल्टा नुकसान पहुंचाता है। निष्कर्ष- आपको यह याद रखना जरूरी है कि अब आप उस बच्चे जैसे असहाय नहीं हैं। अब आप अपने त्योहारों को नए अर्थ और अनुभवों से भर सकते हैं। और याद रखें, शराब से दर्द दबाने की कोशिश केवल अस्थायी राहत देती है। सही रणनीतियां, जैसे सीबीटी आधारित सोच, नई यादें बनाना और हेल्दी कोपिंग स्किल्स ही आपको स्थायी राहत और आत्मविश्वास दे सकते हैं।

एंडी पाइक्रॉफ्ट बोले- वह सिर्फ मैसेंजर थे,पाकिस्तान को टॉस से 4 मिनट पहले बताया था, हाथ नहीं मिलाएगी टीम इंडिया

नयी दिल्ली। आईसीसी के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने टॉस से 4 मिनट पहले पाकिस्तान को बताया था कि टीम इंडिया उनसे हाथ नहीं मिलाएगी। 14 सितंबर को दुबई में एशिया कप का मुकाबला शुरू होने के कुछ देर पहले उन्हें एसीसी के मीडिया मैनेजर ने हाथ नहीं मिलाने के बारे में बताया। यही मैसेज उन्होंने पाकिस्तान टीम को भी दे दिया। मुकाबले के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाइक्रॉफ्ट की शिकायत आईसीसी से कर दी थी। पीसीबी ने कहा था कि रेफरी ने खेल भावना के खिलाफ जाकर आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया है। बोर्ड ने पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग भी की थी।रेफरी को हटाने की मांग को लेकर पीसीबी ने यूएई के खिलाफ मैच भी 1 घंटे की देरी से खेला था। जिसके बाद आईसीसी ने पाकिस्तानी बोर्ड को ई-मेल लिखकर कहा है कि टीम ने नियमों का उल्लंघन किया है। पाइक्रॉफ्ट बोले- आईसीसी को बताने का समय नहीं था ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट अनुसार, रविवार को भारत-पाकिस्तान मैच के टॉस से पहले एसीसी के वेन्यू मैनेजर ने पाइक्रॉफ्ट को बताया कि भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाएंगे। बीसीसीआई ने इस बारे में एसीसी को जानकारी दे दी है। जिसके बारे में पाइक्रॉफ्ट टॉस से 4 मिनट पहले ही पाकिस्तान को बता पाए। पीसीबी अधिकारियों ने कहा कि भारत की यह डिमांड खेल भावना के खिलाफ थी। पाइक्रॉफ्ट को इसकी शिकायत करनी चाहिए थी। इसके जवाब में मैच रेफरी ने कहा कि उनके पास आईसीसी में शिकायत करने के लिए समय नहीं था। अगर समय रहता तो जरूर आईसीसी से इस पर बात करते। आईसीसी ने भी पाइक्रॉफ्ट के फैसले को नियमों के खिलाफ नहीं माना। मैच रेफरी के रूप में उनके पास फैसला लेने का अधिकार था, उन्होंने सिचुएशन को देखते हुए ही पाकिस्तान टीम को भारत के फैसले के बारे में जानकारी दी। 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच हुआ। यहां भारतीय प्लेयर्स ने पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया। जिसके विरोध में सलमान आगा इंटरव्यू देने नहीं आए। पाकिस्तान का अगला मैच 17 सितंबर को यूएई से होना था, लेकिन टीम ने आईसीसी में शिकायत कर दी कि रेफरी को हटाया जाए।पीसीबी ने यहां तक कह दिया कि अगर पाइक्रॉफ्ट को नहीं हटाया गया तो टीम एशिया कप से हट जाएगी। मैच के दिन भी पीसीबी के अधिकारियों ने आईसीसी और मैच रेफरी से बातचीत की। जिस कारण रात 8 बजे शुरू होने वाला मैच एक घंटे देरी से शुरू हो सका। पाकिस्तान ने आसानी से मैच जीतकर सुपर-4 राउंड में एंट्री भी कर ली। मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट ही रहे थे।पीसीबी ने इसके बाद दावा किया था कि पाइक्रॉफ्ट ने टीम और कप्तान से माफी मांग ली है। इस कारण टीम अपना आखिरी ग्रुप मैच खेलेगी। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि पाइक्रॉफ्ट ने किसी गलती की माफी नहीं मांगी, बल्कि पाकिस्तान टीम को बताया कि उन्होंने टॉस से 4 मिनट पहले ही इन्फॉर्मेशन क्यों दी थी। यूएई के खिलाफ मैच से पहले पीसीबी ने एशिया कप से हटने की धमकी दी। पाकिस्तान सरकार ने सलाह दी कि जब तक पाइक्रॉफ्ट को हटाया नहीं जाएगा, तब तक टीम मैच नहीं खेलेगी। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी की सलाह पर मंगलवार को पाकिस्तान ने प्रैक्टिस की, लेकिन टीम से कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए नहीं पहुंचा। बुधवार को मैच के दिन पीसीबी और आईसीसी अधिकारियों के बीच वीडियो कॉल पर बात हुई। पीसीबी ने पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की, लेकिन आईसीसी ने मना कर दिया। शाम 5.30 बजे के करीब फिर एक बार वीडियो कॉल पर बात हुई। इस दौरान पाकिस्तानी प्लेयर्स को होटल से बाहर जाने के लिए मना कर दिया। पीसीबी चीफ नकवी ने फिर पूर्व चीफ नजम सेठी और रमीज राजा से बातचीत की। शाम करीब 6.40 बजे आईसीसी से आखिरी बातचीत के बाद बोर्ड ने फैसला लिया कि उनकी टीम यूएई से मैच खेलेगी। पाकिस्तान टीम करीब 7 बजे स्टेडियम पहुंची, यहां पाइक्रॉफ्ट ने पाकिस्तानी टीम, कप्तान और हेड कोच से बात की। जिसके बाद रात 9 बजे मुकाबला शुरू हो सका। भारत से हारने के बाद पीसीबी ने आईसीसी के जनरल मैनेजर वसीम खान को शिकायत की थी। बोर्ड ने कहा था कि आईसीसी को बड़े मैचों में न्यूट्रल मैच रेफरी अपॉइंट करने चाहिए। आईसीसी ने इसके जवाब में कहा था कि पाइक्रॉफ्ट की ओर से कोई गलती नहीं की गई। इसलिए मैच रेफरी को नहीं बदला जाएगा। पूरे विवाद के बाद गुरुवार को आईसीसी ने पीसीबी को वॉर्निंग ई-मेल भेजा। इसमें आईसीसी ने कहा कि यूएई के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तान टीम ने नियमों का उल्लंघन किया। बोर्ड ने मीटिंग के कुछ ऐसे विजुअल भी सोशल मीडिया पर शेयर किए, जिनकी परमिशन उन्हें नहीं थी।

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान वो धैर्य था, जो वह मरीज की बात देना शुरु किया और फिर इसमें

के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और बात है, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए।

कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या हमने जेपी आंदोलन के सवालों पर गौर किया है?

(अभय कुमार दुबे) इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में अपनी कुर्सी बचाने के लिए थोपे गए आपातकाल की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। मैं, मेरे पिता और मेरा परिवार भी आपातकाल में राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार रहा है। लेकिन क्या आपातकाल से हमने, हमारे नेताओं ने और हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली ने कोई सबक सीखा है? इस सवाल का जवाब आपातकाल में जेल गए लोगों के अनुभव से पैदा हुई तल्खी से परे जाता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि आपातकाल लगाने की नौबत जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले 1974 के आंदोलन की बदौलत आई थी। इस आंदोलन के मर्म में लोकतांत्रिक राजनीतिक सुधारों का प्रश्न था। आज हम चाहें तो इस प्रश्न को इस रूप में समझ सकते

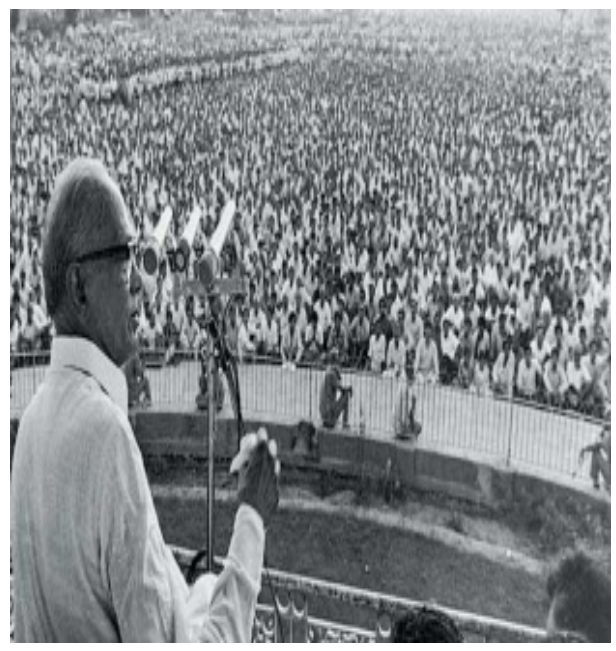

हैं कि उस जमाने के आंदोलनकारी छात्र और युवा पूछ रहे थे कि हमारा प्रतिनिधि कैसा होना चाहिए? अगर वह अच्छे प्रतिनिधि की कसौटियों पर खरा नहीं उतरता तो क्या जनता को अपने प्रतिनिधि की वापसी का अधिकार नहीं देना चाहिए? क्या चुनाव में होने वाले राजनीतिक भ्रष्टचार को नियंत्रित करने वाली संहिताएं नहीं बननी चाहिए? क्या पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होना चाहिए? क्या सत्ता पाने के लिए धनबल और बाहुबल का उन्मूलन करने के संस्थागत बंदोबस्त नहीं होने चाहिए? क्या धर्म और जाति के आधार पर वोटों की गोलबंदी पर रोक नहीं लगनी चाहिए? आपातकाल के बाद भी कांग्रेस 19 साल सत्ता में रही है। भाजपा भी 17 साल सत्ता भोग चुकी है। हर तरह की क्षेत्रीय पार्टी किसी न किसी रूप में प्रदेश या केंद्र में कभी न कभी सत्ता प्राप्त कर चुकी है। क्या इनमें से कोई पार्टी आज कह सकती है कि उसने जेपी आंदोलन द्वारा उठाए गए सवालों पर कभी गौर किया है, या उनके आधार पर अपने घोषणापत्र बनाए हैं? वास्तविकता में जो हुआ, वह उस आंदोलन के शब्दों और भावनाओं का ठीक उल्टा है। पिछले पचास साल में भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आई है। 1975 में पक्ष हो या विपक्ष, चुनाव आयोग एवं अन्य वैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं करता था। पत्रकार का मुख्य काम सत्ता से सवाल पूछना था, न कि वह उसे क्लीन चिट देते हुए विपक्ष को कोने में धकेलता हुआ दिखता था। अर्थव्यवस्था के जो भी आंकड़े होते थे, उन पर कोई संदेह नहीं करता था। आपातकाल के महीनों को छोड़ दिया जाए तो संसद में कानून बनाने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक और स्वस्थ विचार-विमर्श पर आधारित थी। विपक्ष-मुक्त भारत बनाने के दावे खुलेआम नहीं किए जाते थे। कॉर्पोरेट पूंजी सत्ता की संरचनाओं को नियंत्रित करते हुए नहीं देखी जाती थी। पार्टियां अपना सांगठनिक विस्तार दलबदल के जरिए नहीं करती थीं। एक राज्यसभा चुनाव में सौ करोड़ से भी ज्यादा खर्च किए जाएंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। राजनीति से जुड़े प्रभावशाली लोग आपराधिक प्रकरणों में लिप्त दिखाई देंगे, सोचना भी कठिन था। क्या यह अजीब नहीं लगता कि लोकतंत्र के चौतरफा विकृतीकरण के इस भीषण दौर में आपातकाल के दौरान जेल गए लोग स्वयं को नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के अग्रदूत के तौर पर पेश करते हैं? जो लोग तब जेल में थे (चाहे वे पत्रकार हों या नेता), उन्होंने लोकतंत्र को समृद्ध करने की दिशा में कदम उठाया है? आपातकाल का जो राजनीतिक इतिहास पेश किया जा रहा है, वह भी तथ्यात्मक दृष्टि से सही नहीं है। 1977 में इंदिरा गांधी अलोकप्रिय जरूर थीं, लेकिन केवल उत्तर भारत में। दक्षिण ने उस चुनाव में भी कांग्रेस को 150 से ज्यादा सीटें दी थीं। सत्ताच्युत हो जाने के बावजूद कांग्रस को 34.52फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। यानी, 2014 में भाजपा की जीत से भी अधिक। आपातकाल के ढाई साल बाद कांग्रेस 353 सीटें जीतकर सत्ता में लौट आई। उसे 42.69फीसदी वोट मिले, जो भाजपा को आज तक नहीं मिले हैं। तो क्या वास्तव में देश की जनता ने 1977 में नागरिक आजादियों के छिन जाने से नाराज होकर वोट दिया था? क्या वह वोट इमरजेंसी-विरोधी था, या उसका चरित्र महज नसबंदी विरोधी था? कांग्रेस केवल उन्हीं इलाकों में हारी थी, जहां जबरिया नसबंदी कार्यक्रम चलाया गया था। इसी से जुड़ा व्यापक प्रश्न है कि क्या आमजन को अपनी राजनीतिक आजादियां उतनी ही और उसी तरह से प्यारी हैं, जिस तरह हम सिद्धांततः मानना पसंद करते हैं? सच यह है कि इमरजेंसी से किसी ने कोई सबक नहीं सीखा। न उन्होंने जिन्होंने लगाई थी, न उन्होंने जिन्होंने तथाकथित दूसरी आजादी के लिए संघर्ष किया था। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर गम्भीरतापूर्वक विचार शुरू कर दें। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर विचार शुरू कर दें। अगर हमने ऐसा न किया तो हमारा लोकतंत्र एक आत्माविहीन शरीर जैसा ही रहेगा।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका में अब समाजवाद क्यों लोकप्रिय हो रहा है?

(शेखर गुप्ता) जोहरान ममदानी चर्चा के विषय बनने वाले हैं। दुनिया के सबसे (आंगनवाड़ी?) उपलब्ध करवाएंगे; और सरकारी चाहते हैं जिसे लाखों भारतीयों ने मुख्यतः आर्थिक शरणार्थी साथ नस्ली, धार्मिक विविधताएं

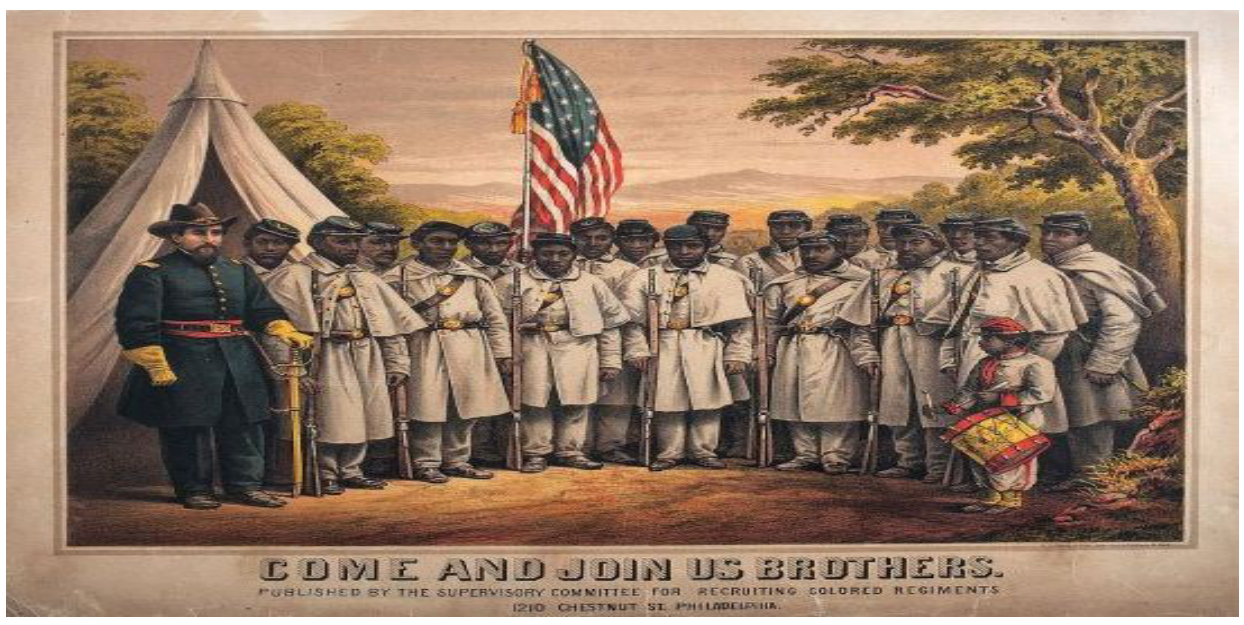

उदार, शक्तिशाली और समृद्ध यहूदी-बहुल शहर की बागडोर उनके हाथों में आने वाली है। वे गाजा के समर्थक हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति के अपने इलाके में जबरदस्त ट्रम्प-विरोध को बुलंद करते हैं और डेमोक्रेटिक लेफ्ट की पैरोकारी करते हैं।ट्रम्प ने उन्हें 'सौ फीसदी कम्युनिस्ट पागल' कहा है। ट्रम्प उनके उत्कर्ष के लिए डेमोक्रेटिक लेफ्ट की चार महिला नेताओं की 'चौकड़ी' को जिम्मेदार मानते हैं। वैसे ट्रम्प से अपमानित होने का न्यूयॉर्क में कोई बुरा नहीं मानता। लेकिन मैं ममदानी के कुछ प्रमुख चुनावी वादों की चर्चा करूंगा। वे बसों का किराया खत्म कर देंगे (दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना और इसके बाद और सारे शहर गौर करें); सब्सिडी से बनाए गए 20 लाख आवासों का किराया 'फ्रीज' कर देंगे (हम अपने रेंट कंट्रोल एक्ट को याद करें); सार्वजनिक आवास विकास एजेंसी (भारत के हर शहर में डीडीए, म्हाडा, बीडीए आदि हैं) के जरिए तीन साल के अंदर दो लाख और आवास बनवाएंगे; छह सप्ताह के नवजात शिशुओं से लेकर पांच साल तक के बच्चों को व्यापक बाल सुरक्षा सेवा कम कीमत पर सामान मिलेंगे। आपको अपनी राशन की दुकानों, केंद्रीय भंडारों और सहकारी सुपर मार्केट की याद है न? इन सारे कार्यक्रमों को भारतीयों की दो पीढ़ियां समाजवादी राज्य-व्यवस्था की भारी नाकामियों के रूप में याद करती हैं। जिस तरह मैं 10 साल की उम्र में अपनी मां के साथ हर चीज खरीदने के लिए राशन की दुकान के आगे लाइन में खड़ा हुआ करता था, उस तरह अगर आप भी खड़े हुए होंगे तब आप समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। इन सरकारी दुकानों में कामगार तबकों के लिए चीनी (1967 में प्रति व्यक्ति प्रति सप्ताह 200 ग्राम के हिसाब से), गेहूं से लेकर मीटर के नाप से कपड़े तक हर चीज उपलब्ध होती थी। आपने अपने शहरों में कामगार तबकों के लिए बनाए गए सरकारी आवासों को भी जरूर देखा होगा, जिन्हें कंक्रीट का स्लम कहा जाता है। हर शहर में आपको वे मिल जाएंगे। हमारी मुफ्त बस सेवाएं राज्य सरकारों की आर्थिक तंगी के कारण नाकाम हो रही हैं। ऐसी सारी योजनाएं जो अपने देश में विफल हो गईं, उन्हें ममदानी उस शहर में दोहराना बनाया है। ममदानी इतनी कम उम्र के हैं कि उन्होंने ये सारे विचार भारत से शायद ही लिए होंगे, और यह भी मुमकिन नहीं है कि उनके अभिभावकों ने इस सबका खुद बहुत अनुभव लिया होगा। लेकिन, जिस देश ने आधुनिक विश्व को पूंजीवादी सपना दिया और जो शहर तेज कामयाबी का प्रतीक माना जाता है, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है, वे सब डेमोक्रेटों के नियंत्रण में हैं। और ममदानी उस 'दस्ते' के भी बाएं खड़े हैं। जिस शहर को पूंजीवादी सफलता का ब्रांड-दूत होना चाहिए था, यह उसका विरोधाभास है। या ऐसा तो नहीं है कि इस तरह की सफलता अंततः समाजवाद के लिए जमीन तैयार करती है? कि आप इतने अमीर हो गए हैं कि समाजवाद की छूट दे सकते हैं? यूरोप ने जब खूब अमीरी हासिल कर ली तब धुर वामपंथ की ओर मुड़ गया था, और अब रास्ता बदल रहा है। समृद्ध समाजों में समाजवाद प्रवासियों को आकर्षित करता है और इसके संघर्षों को भी ले आता है। इसके खिलाफ प्रतिक्रिया होती है और दक्षिणपंथ लौट आता है। ऐसा स्केंडिनेविया में भी हुआ, जिसे सर्वश्रेष्ठ समाजवाद का घर माना जाता है। भारत की समस्या यह है कि बुरे विचारों ने इसका पीछा कभी नहीं छोड़ा। केवल अच्छे लोग और सर्वश्रेष्ठ दिमाग इसे छोड़कर चले गए। सबसे शानदार, सबसे महत्वाकांक्षी, उद्यमी भारतीयों ने अमेरिका को अपना घर बना लिया। वे हमारे फर्जी समाजवाद से नहीं, तो आखिर किससे भाग रहे थे? आज जो भी भारतीय 'डंकी रूट' की खातिर अपना जीवन जोखिम में डालता है, वह समाजवाद से भाग रहा होता है। जांच कीजिए कि सरकार वितरणवादी जनकल्याण पर कितना खर्च कर रही है और दक्षिणपंथी मानी गई भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय समाजवादियों की रेवड़ी संस्कृति को आज किस हद तक अपना लिया है। जिस देश ने विश्व को पूंजीवादी सपना दिया, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

पुकार! किसी के पास कान हो तो सुने!

हर तरफ बादल हैं। बारिश है। बाढ़ भी। पहाड़ों पर तबाही ज्यादा है। वे सरक रहे हैं। दरक रहे हैं। मैदानों में हमेशा की तरह कहीं भारी बारिश। कहीं बूंदा-बांदी। लेकिन बिहार जहां इन? दिनों अमूमन बाढ़ होती है, फिलहाल सूखा है। गर्मी है। चुनावी गर्मी। यहां चुनाव होने हैं अक्टूबर-नवम्बर में, लेकिन चुनावी गर्मी अभी से सिर चढ़कर बोल रही है। कभी विरोधी दलों के लोग, लालू यादव को चारा खाते दिखा रहे हैं। कहीं तेजस्वी और लालू, नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कस रहे हैं। सवाल पर सवाल। जवाब पर जवाब। बाकायदा एक-दूसरे के खिलाफ चौराहों पर पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। दरअसल, बिहार में चुनाव, मुद्दों और मसलों पर कम, जातीय गणित के हिसाब से ज्यादा जीते जाते हैं। बारिश के दिनों में वर्षों से आधे से ज्यादा बिहार पानी में डूबा रहता है। लोग सड़कों पर अपना डेरा बांधते हैं और चौमासा वहीं गुजारते हैं। कोई स्थायी इलाज नहीं। कोई पुख्ता उपाय नहीं। कोई रहने-खाने का इंतजाम नहीं। जातीयता हर बाढ़ और हर आफत पर भारी है। इस जातीय गणित ने पूरे राज्य का बंटाधार कर रखा है। जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को वहां हराना है तो नीतीश कुमार और लालू यादव के राजद को साथ आना होता है। जहां तक राजद की बात है, बिहार में यादवों की संख्या या प्रतिशत काफी है, इसलिए लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश कुमार को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं। हालांकि राज्य की राजनीति में उनकी पार्टी का कोई ज्यादा योगदान नहीं रहा क्योंकि वे केंद्र की राजनीति में ज्यादा भरोसा करते हैं। जितने सांसद लड़ाते हैं, अक्सर सब के सब जीत ही जाते हैं। यहां अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों का अंदाजा लगाया जाए तो लोगों का कहना है कि अगर कोई अनहोनी या आसमानी सुल्तानी नहीं हुई, तो ये नतीजे भी हरियाणा या बहुत हद तक महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से ज्यादा अलग नहीं होंगे। हरियाणा में भाजपा की एकतरफा जीत हुई थी जबकि महाराष्ट्र में मिली-जुली। महाराष्ट्र के नतीजे इस तरह आए थे कि भाजपा से उसके दोनों साथी यानी शिंदे सेना और अजित पवार किसी तरह की सौदेबाजी की सूरत में नहीं रहे थे। यही वजह है कि वहां फडणवीस सरकार मजे से चल रही है। दोनों सहयोगी दलों में से एक बगावत भी कर ले तो सरकार की सेहत पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। इधर उत्तर भारत में रह-रहकर बादल बरस रहे हैं। गलियां, सड़कें सुड़क-सुड़क कर रही हैं। वाहन चीखें मार रहे हैं। दिन उगता है तो लगता है जैसे सूरज शर्मीला चम्पा का फूल हो! उठने से पहले ही जैसे डूबने को होता है। सांझ से ही सन्नाटा छा जाता है। बारिश की मंद-मंद फुहारें, जैसे पाला पड़ रहा हो! बूढ़ा आकाश शाम से ही ऊंघने लगता है। उसकी आंखों में नींद साफ देखी जा सकती है। कीचड़ और पानी के मिलन के बीच सड़कों पर पैदल चलते आदमी की तो पूछिए मत! वो सबको झेल रहा है। दोपहिया-चार पहिया वाहनों को भी और ऊपर से बरसते पानी को भी। सरकारें, प्रशासन और प्रशासनिक अफसर दुबके पड़े हैं। उन्हें किसी की पड़ी नहीं है। आम आदमी बेहाल है। अपनी पीड़ा किससे कहे? कहां जाए? सरकार में, प्रशासन में, मंत्री, संतरी, अफसर, बाबू, किसी के पास कान हों तो सुने! युगों-युगों से आम आदमी के तो दो ही मजबूत आसरे रहे हैं। पैरों में रास्ता और सिर पर आसमां। बड़ी बर्दाश्त है इसके भीतर। कभी बड़ा बेखौफ होकर बोलता था। अब उसके मुंह में मूंग ओर दिए गए हैं। उससे बोलते नहीं बनता। सबकुछ भीतर दबाए फिरता है। इधर से उधर। उधर से इधर। इस इधर-उधर में अक्सर भूल ही जाता है कि उसका सिरा आखिर कौन-सा है! ये आम आदमी जो वर्षों से सपने देख रहा था, उन्हें खुद ही धुलते हुए, बहते हुए देखने को विवश है। विवश है कि बड़े-बड़े वादे करके वोट ले जाने वाले लोग अचानक गायब हो जाते हैं और वे वादे वहीं गलियों में, टूटी-फूटी सड़कों पर पड़े कुचलते रहते हैं। सड़ते रहते हैं। फिर भी वह अपने ही सपनों को, अपने ही पैरों तले कुचलते हुए, दबते हुए देखता रहता है। उसे आजादी है तो सिर्फ इतनी कि इन मची हुई सड़कों, गलियों में सकुचाते हुए चलता भर रहे। बस! इससे ज्यादा कुछ नहीं। कुछ भी नहीं।बिहार में जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को हराना है तो नीतीश और लालू को साथ आना होता है। और लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं।

चिंतन कर रहे हों तो उस समय गहरी सांस लेते रहें

हम लोग अपनी बुद्धि का भी सही उपयोग नहीं कर पाते हैं। अधिकांश मौकों पर हमारी बुद्धि का संचालन मन करता है। जबकि

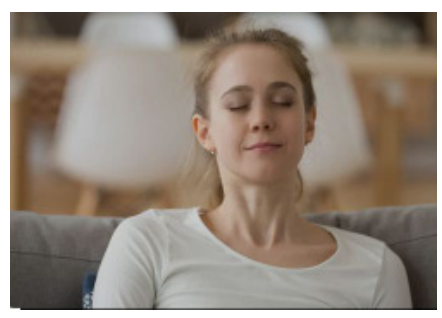

संचालन होना चाहिए मस्तिष्क, हृदय द्वारा। मन के कुटिल विचार बुद्धि को भी गलत रास्ते पर ले जाते हैं। सुबह घर से निकलने से पहले अपने ही नजरिए पर काम करिए। किसी विषय पर आप सोचते हैं कि ऐसा करें तो एक-दो बार यह भी सोचिए कि ऐसा क्यों ना करें। अलग-अलग नजरिए से देखने पर बुद्धि संतुष्ट होती है। उसे लगता है कि मेरा मालिक मुझे मांज रहा है, विकल्प दे रहा है, बुद्धिमान होने की तैयारी कर रहा है। और जब आप बुद्धि के साथ मन को हटाकर हृदय या मस्तिष्क के प्रभाव में काम करते हैं तो यह बिल्कुल ऐसा होता है जैसे गहराई में उतरना। बुद्धि को जब गहराई में ले जाएं किसी विषय की तो बेचैनी होगी, थकान होगी। लेकिन आंख बंद करके सांस को बुद्धि से जोड़िए। बुद्धि को यदि सांस का समर्थन मिला तो शायद मन का दुष्प्रभाव उस पर नहीं पड़ेगा। इसलिए जब चिंतन कर रहे हों तो गहरी सांस लेते रहें, आप उस समय बुद्धि का सदुपयोग कर जाएंगे।

ललित मोदी का भाई रेप केस में गिरफ्तार,महिला ने 2019 से शोषण-ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया,वकील बोले- पैसे ऐंठने के लिए

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने इंडियन प्रीमियर लीग

(आईपीएल) के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी के भाई और बिजनेसमैन समीर मोदी को गुरुवार शाम दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। समीर मोदी पर एक महिला ने साल 2019 से लगातार रेप, ब्लैकमेलिंग और धोखा देने का आरोप लगाया है। महिला ने 10 सितंबर को दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद बिजनेसमैन के खिलाफ लुक-आउट सर्कुलर जारी किया गया था। गुरुवार को यूरोप की बिजनेस ट्रिप से लौटने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। दिल्ली की एक अदालत ने समीर को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। इस बीच, समीर के वकील ने दावा किया कि बिजनेसमैन के खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। एडवोकेट सिमरन सिंह ने एक बयान में कहा- एफआईआर झूठी और मनगढ़ंत फैक्ट्स पर आधारित है। समीर मोदी से पैसे ऐंठने के लिए केस दर्ज कराया गया है। मुताबिक, महिला का आरोप है कि बिजनेसमैन ने फैशन और लाइफस्टाइल इंडस्ट्री में करियर का मौका देने के बहाने 2019 में उससे संपर्क किया था। समीर ने दिसंबर 2019 में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित अपने आवास पर उसे बुलाया और जबरदस्ती की। महिला ने बताया कि बिजनेसमैन ने शादी का झूठा वादा करके उसके साथ कई बार रेप किया, मारपीट की और ब्लैकमेल किया। महिला जानती थी कि समीर मोदी पहले से ही शादीशुदा है। उसने दावा किया कि रेप का खुलासा करने पर उसे और उसके परिवार को हत्या की धमकी दी गई। महिला ने आरोप लगाया कि समीर ने उसे डराने-धमकाने और झूठे आश्वासन देकर चुप कराने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया।

समीर मोदी के वकीलों का दावा- महिला ने 50 करोड़ की मांग की थी दूसरी तरफ, समीर के वकीलों की तरफ से जारी बयान में दावा किया गया है कि महिला 2019 से समीर मोदी के साथ रिलेशनशिप में थी। दावे के मुताबिक, समीर मोदी ने 8 और 13 अगस्त को अलग-अलग पुलिस अधिकारियों के सामने महिला के खिलाफ जबरन वसूली और ब्लैकमेल करने की शिकायतें दर्ज कराई थीं।समीर के वकीलों ने दावा किया कि उनके पास बिजनेसमैन और महिला के बीच हुई वॉट्सऐप चैट भी है, जिसमें उसने 50 करोड़ रुपए की मांग की है। वकीलों ने दिल्ली पुलिस पर तथ्यों की जांच किए बिना जल्दबाजी में गिरफ्तारी का आरोप लगाया। समीर पहले पिता की संपत्ति को लेकर विवाद में घिरे समीर मोदी के लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, वे मोदी इंटरप्राइजेज के मैनेजिंग डायरेक्टर, मोदी केयर फाउंडेशन और कलरबार कॉस्मेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर हैं। ललित मोदी, मोदी इंटरप्राइजेज का प्रेसिडेंट है। यह पहली बार नहीं है जब समीर मोदी विवादों में आए हैं। इससे पहले भी वे कई विवादों में घिरे हैं। पहले अपने पिता केके मोदी की 11,000 करोड़ रुपए की संपत्ति को लेकर विवाद में रहे। समीर मोदी, उनकी मां बीना मोदी और भाई-बहनों के बीच यह कानूनी लड़ाई सालों से चल रही है। कोर्ट में यह मामला लगातार सुनवाई के दौर से गुजर रहा है। यही नहीं, पिछले साल समीर मोदी ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी मां के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर ने गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया की बोर्ड मीटिंग के दौरान उन पर हमला किया। समीर मोदी का आरोप था कि यह हमला उन्हें कंपनी के बोर्ड से हटाने की साजिश का हिस्सा था। हालांकि उनकी मां की तरफ से इन आरोपों से इनकार किया गया। अगस्त, 2024 में समीर को कंपनी के बोर्ड से हटा दिया गया था। समीर तीन भाई-बहनों में सबसे छोटे हैं।

इसमें फरार कारोबारी ललित मोदी और चारु मोदी शामिल हैं। ललित मोदी ?12 हजार करोड़ की कंपनी का मालिक ललित मोदी की कंपनी, मोदी इंटरप्राइजेज की कुल नेटवर्थ 12 हजार करोड़ रुपए की है। यह कंपनी एग्रो, टोबैको, पान मसाला, माउथ फ्रेशनर, कनफेक्शनरी, रिटेल, एजुकेशन, कॉस्मेटिक, एंटरटेनमेंट और रेस्टोरेंट का बिजनेस करती है। भारत के अलावा मोदी इंटरप्राइजेज का कारोबार मिडिल ईस्ट, वेस्ट अफ्रीका, साउथ-ईस्ट अफ्रीका, साउथ-ईस्ट एशिया, ईस्ट यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अमेरिका और सेंट्रल अमेरिका तक फैला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ललित मोदी की कुल संपत्ति रु4.5 हजार करोड़ है। उसके पास तीन फेरारी कार हैं, जिनकी कीमत 15 करोड़ रुपए है। ललित मोदी के खिलाफ आईपीएल में खिलाड़ियों की बोली में हेराफेरी, मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम यानी फेमा के उल्लंघन का मामला चल रहा है। उस पर 2010 में करप्शन के आरोप लगे थे, इसके बाद वह भागकर लंदन चला गया था। भारत छोड़कर क्यों भागा ललित मोदी? ललित मोदी 2005 से 2009 तक राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का अध्यक्ष था। 2008 में उसने आईपीएल शुरू किया। बीसीसीआई ने उसे आईपीएल का पहला अध्यक्ष और लीग कमिश्नर बनाया। 2010 में ललित पर आईपीएल में करप्शन के आरोप लगे। ललित ने मॉरीशस की कंपनी वर्ल्ड स्पोर्ट्स को आईपीएल का 425 करोड़ का ठेका दिया था। मोदी पर 125 करोड़ रुपए कमीशन लेने के आरोप लगे। ये भी कहा गया कि उसने दो नई टीमों की नीलामी के दौरान गलत तरीके अपनाए।2010 में बीसीसीआई ने आईपीएल के तीसरे सीजन के फाइनल के तुरंत बाद ललित को सस्पेंड कर दिया। 2010 में ही अंडरवर्ल्ड से धमकियों का हवाला देते हुए ललित मोदी भारत से भाग कर लंदन चला गया। ईडी ने उसके खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर' नोटिस जारी किया। उसका पासपोर्ट भी रद्द कर दिया गया।

पाकिस्तान में मुझे घर जैसा लगा,नेपाल-बांग्लादेश में भी विदेश जैसा नहीं लगता, भारत पड़ोसी देशों से संबंध मजबूत करे-सैम पित्रोदा

नयी दिल्ली। सैम पित्रोदा ने फिर विवादास्पद बयान दिया है है। शुक्रवार को एक न्यूज एजेंसी को

दिए एक इंटरव्यू में पित्रोदा ने कहा- 'मैं पाकिस्तान गया। मुझे वहां घर जैसा महसूस हुआ।' उन्होंने नेपाल से लेकर बांग्लादेश तक की तारीफ की है। कहा- 'मैं बांग्लादेश गया, नेपाल गया, मुझे वहां भी घर जैसा महसूस होता है। मुझे ऐसा नहीं लगा कि मैं विदेशी धरती पर हूं।'उन्होंने केंद्र सरकार से कहा कि अपने पड़ोसियों के साथ बातचीत को प्राथमिकता दी जाए। पित्रोदा ने कहा कि भारत की विदेश नीति की शुरुआत पाकिस्तान समेत पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को मजबूत करने से होनी चाहिए। राहुल गांधी की जेन-ज़ी से अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए पित्रोदा ने कहा कि मैं देश के युवाओं से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे राहुल गांधी के साथ खड़े हों। उनकी आवाज के साथ अपनी आवाज मिलाएं। राहुल गांधी ने जेन-ज़ी से अपील की थी कि वे आगे आएं और देश के लोकतंत्र की रक्षा करें। भाजपा बोली- कांग्रेस पाकिस्तान की चहेती- उनके इस बयान पर भाजपा ने कांग्रेस नेतृत्व पर भारत के राष्ट्रीय हितों को कमजोर करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा- राहुल गांधी के चहेते और कांग्रेस के विदेश प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस' हुआ। कोई आश्चर्य नहीं कि यूपीए ने 26/11 के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। पाकिस्तान का चहेता, कांग्रेस का चुना हुआ। 27 फरवरी 2025- 'भारत में मेरी प्रॉपर्टी नहीं, राजीव-मनमोहन सरकार में सैलरी नहीं ली' राहुल गांधी के करीबी और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा पर कर्नाटक के एक भाजपा नेता ने 150 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप लगाया है। इस पर पित्रोदा ने बुधवार को जवाब दिया। उन्होंने कहा- भारत में मेरे पास कोई जमीन, घर या शेयर नहीं है। 4 सितंबर 2024- 'राहुल गांधी पिता राजीव से ज्यादा समझदार' सैम ने 4 सितंबर 2024 को कहा था कि राजीव गांधी की तुलना में उनके बेटे राहुल गांधी ज्यादा समझदार हैं।

वे बौद्धिक होने के साथ-साथ एक बेहतर रणनीतिकार भी हैं। राजीव थोड़ा ज्यादा मेहनती थे। दोनों का डीएनए एक जैसा है। दोनों नेता आइडिया ऑफ इंडिया के संरक्षक हैं। 8 मई 2024- 'दक्षिण भारतीय अफ्रीकी दिखते हैं, फिर इस्तीफा दिया'. कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने 8 मई 2024 को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में ईस्ट के लोग चाइनीज और साउथ वाले अफ्रीकन दिखते हैं। पित्रोदा का यह बयान जब सामने आया, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के वारंगल में सभा कर रहे थे।

34 के बदले 26 का कत्ल,गोद से छीनकर बच्चों को काट डाला,ब्रह्मेश्वर मुखिया को पकड़ने के लिए 10 लाख दे रहे थे लालू

पटना। राबड़ी देवी को तीसरी बार मुख्यमंत्री बने करीब 100 दिन हुए थे कि बिहार में एक और बड़ा नरसंहार हो गया। सालभर के

भीतर ये 8वां नरसंहार था। सरकार घिर चुकी थी। बीजेपी-जेडीयू सीएम के इस्तीफे पर अड़े थे। कांग्रेस सरकार को घेर रही थी, लेकिन समर्थन वापस लेने को तैयार नहीं थी। दलील ये कि समर्थन वापस लिया, तो सांप्रदायिक ताकतें सत्ता हथिया लेंगी। पटना से दक्षिण में करीब 90 किलोमीटर दूर औरंगाबाद जिले का मियांपुर गांव। तारीख 16 जून और 2000 का साल। वक्त रात के 9 बजे। गर्मी का मौसम था, ज्यादातर लोग घर से बाहर थे। कुछ लोग छतों पर टहल रहे थे। कई लोग अभी खेत से लौटे नहीं थे। एक नहर किनारे 4-5 लड़के बैठकर बातें कर रहे थे। अचानक उन्हें 200-250 लोग दिखे। 'रणवीर बाबा की जय, रणवीर बाबा की जय' का नारा लगाते हुए भीड़ तेजी से गांव की तरफ बढ़ रही थी। हाथों में बंदूक, फरसा, तलवार और देसी हथियार। भीड़ को अपनी तरफ आते देख लड़के भाग निकले। गांव में जाकर हल्ला कर दिए कि रणवीर सेना वाले आ गए हैं। लोग इधर-उधर भागने लगे। जिसको जहां जगह मिली छुप गया। इधर, हमलावरों ने गांव को घेर लिया। अंधाधुंध गोलियां बरसाने लगे। भीड़ में शामिल 45-50 साल का एक शख्स बोला- 'पागल हो क्या सब। चुन चुनकर मारना है, समझते क्यों नहीं। तुम लोग तो सब गोली बर्बाद कर दोगे।' एक हमलावर 10-15 साथियों को लेकर एक घर में घुसा। टॉर्च जलाई, कहीं कोई नजर नहीं आया। अचानक उसे कुछ गिरने की आवाज सुनाई पड़ी। हमलावर फौरन उस तरफ दौड़े। 20-25 साल का एक लड़का अनाज रखने वाले मिट्टी के कोठिला के पीछे छिपा था। जोर-जोर से हांफ रहा था। हमलावरों को देखकर मानो उसके प्राण ही सूख गए। एक हमलावर ने उसके सिर पर बंदूक की बट से जोर से वार किया। उसका सिर फट गया। खून बहने लगा। 'क्ष्त्र्क्ष्क्ष्त्र तू बच के कहां जाएगाष्ठ चल बाहर चल।' गाली देते हुए हमलावर लड़के को घसीटते हुए बाहर ले गया। जोर का तमाचा जड़ते हुए पूछा- यहां यादवों के घर किस तरफ हैं? कांपते हुए लड़का बोला- 'काका हम नहीं जानते, हम तो दूसरे गांव के हैं।' हमलावर ने धक्का देकर उसे गिरा दिया और उसकी छाती पर चढ़कर बैठ गया। गर्दन में बंदूक की नोक सटा दी। बोला- 'सच-सच बता गांव में यादवों के घर किस तरफ हैं?' लड़के ने हाथ से इशारा कर दियाष्ठहमलावर नारा लगाते हुए उस तरफ चल पड़े। 10-15 का गुट बनाकर यादवों की बस्तियों में धावा बोल दिया। महिला, पुरुष, बच्चेष्ठ जो मिला सबको जबरन उठा लिए। जिसने भागने की कोशिश की, उसे बंदूक की बट से मारकर गिरा दिया, लेकिन किसी को गोली नहीं मारी। एक घंटे के भीतर कुल 60-65 लोगों को दबोच लिया। अब हमलावरों का कमांडर बोला- 'सबके हाथ-पैर

बांधकर लाइन में खड़ा कर दो। इन हत्र्क्ष्क्ष्क्र ने जैसे सेनारी में हमारे लोगों को मारा था, वैसे ही मारना है। बाप के सामने बेटे को और बेटे के सामने बाप को। इनकी औरतों-बच्चों को भी नहीं छोड़ना है।' हमलावरों ने जाति पूछ-पूछकर लाशें बिछा दीं- हमलावरों ने हाथ-पैर बांधकर सबको लाइन में खड़ा कर दिया। मूछें ऐंठते हुए कमांडर ने तलवार उठाई। लाइन में सबसे पहले खड़ी एक महिला से पूछा- 'का नाम है तुम्हारा?' वो कांपते हुए बोली- 'दुलारी देवी।' कमांडर ने चीखते हुए पूछा- जात बताओ, कौन जात होष्ठ लड़खड़ाती जुबान में महिला बोली- हम यादव हैं। मजा आ गयाष्ठ कहते हुए कमांडर आगे बढ़ा। लाइन में खड़े हर शख्स से जाति पूछी। 40 साल का एक आदमी बोला- 'भैया हम दलित हैं। यादव नहीं। छोड़ दो हमको।' कमांडर जोर-जोर से हंसने लगा। फिर अचानक उसकी गर्दन पर तलवार मार दी। वह चीख उठा। 'क्ष्त्र्क्ष्क्ष तू दलित है तो का हो गया... यह कहते हुए कमांडर ने फिर से तलवार मार दी। उसकी गर्दन कटकर लटक गई। वह आगे बढ़ा और सबसे जाति पूछते गया। जिन-जिन लोगों ने यादव बताया, उन्हें लाइन में खड़ा रखा। यह देखकर कुछ दलितों ने भी अपनी जाति यादव बता दी। उन्हें लगा रणवीर सेना वाले दलितों को तो नहीं छोड़ेंगे। अब हमलावरों ने यादव छोड़कर बाकी जाति के लोगों को बंदूक की बट से मारकर भगा दिया। कमांडर अपने आदमियों से बोला- 'बंदूक उठाओ और सबको खत्म कर दो।' 10-12 हमलावरों ने बंदूक उठाई और अंधाधुंध गोलियां बरसाने लगें। चीख-पुकार से गांव दहल गया। किसी के सामने बेटा मरा तो किसी के सामने बाप। कुछ ही मिनटों में दर्जनों लाशें बिछ गईं। हमलावरों ने महिलाओं की गोद से बच्चों को छीनकर भी मार डाला। फिर नजदीक जाकर एक-एक लाश को टटोला। जिस लाश में हरकत दिखी, फिर से गोली मार दी। तलवार से काट दिया। अब रात के करीब 11 बज चुके थे। हमलावर 'रणवीर सेना की जय, रणवीर बाबा की जय, सेनारी का बदला ले लिया, अफसढ का बदला ले लिया'ष्ठ नारा लगाते हुए गांव के पूरब की तरफ निकल गए। रात करीब 2 बजे औरंगाबाद पुलिस मियांपुर पहुंची। गांव में सन्नाटा पसरा था। ज्यादातर लोग अपने घरों में बंद थे। कुछ लोग लाशों के पास खड़े थे। महिलाएं छाती पीटपीटकर चीख रही थीं। पुलिस ने टॉर्च जलाई- खून से सनी लाशें बिखरी पड़ी थीं। महिला, पुरुष और बच्चों की। एक-एक करके लाशें गिनी गईं। कुल 34 लोगों का नरसंहार हुआ था। 26 यादव, 6 दलित और 2 दूसरी जातियों से थे। इनमें 13 महिलाएं और 9 बच्चे शामिल थे। 15 लोग जिंदा बच गए थे। उन्हें फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया।ये मियांपुर नरसंहार था। हत्या का आरोप लगा अगड़ी जातियों के प्रतिबंधित संगठन रणवीर सेना परष्ठकहा गया कि ये अफसढ़ नरसंहार का बदला है। अगले दिन यानी 17 जून, सुबह करीब 7 बजे का वक्त। इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर पूर्ण चंद्र ने पूछा- 'हत्या करने वाले कौन थे, किसी ने देखा क्या?' भीड़ से निकलकर एक अधेड़ बोला- 'साहब मैंने देखा है। सबकुछ अपनी आंखों से देखा है।' क्या नाम है तुम्हारा? रुआंसे आवाज में अधेड़ बोला- 'राजाराम यादव।' क्या देखा, पूरी बात बताओ?

राजाराम कहने लगा- 'साहब कल शाम 7.30 बजे की बात है। मैं कुछ साथियों के साथ गांव के पूरब में नहर किनारे बैठा था। अचानक सहरसा थाने की पुलिस और चौकीदार नहर के पास आए। हमसे पूछा कि क्या कर रहे हो, हमने बताया गांव की रखवाली कर रहे हैं, क्योंकि हमें हमले का अंदेशा था। पुलिस को भी बताया था। 15-20 मिनट बाद 400-500 लोग उत्तर-पूरब की तरफ से गांव में घुसे। उन्हें देखते ही हमें कुछ अजीब सा लगा। हमने परिचय पूछ लिया। इस पर उन लोगों ने गोली चलानी शुरू कर दी। हम लोग अपने घरों की तरफ भाग गए। मैं छत पर चला गया। तभी गांव में सीटी बजने की आवाज आने लगी। कुछ ही देर में हर तरफ धांयष्ठधांय गूंजने लगा।' भीड़ बढ़ती देख प्रशासन जल्द से जल्द शवों का अंतिम संस्कार कराना चाहता था, लेकिन गांव वाले जिद पर अड़े गए कि मुख्यमंत्री के आने के बाद ही वे लाश उठाने देंगे। इसके बाद उसी दिन सुबह पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और शिवानंद तिवारी मियांपुर पहुंच गए। पर गांव वाले सीएम को बुलाने पर अड़े रहे। गांव वालों ने लालू का विरोध करना शुरू कर दिया। नारे लगाने लगे। आखिरकार दोपहर में सरकारी हेलिकॉप्टर से मुख्यमंत्री राबड़ी देवी वहां पहुंचीं। उन्होंने मृतकों के हर परिवार को 1.10 लाख रुपए देने का ऐलान किया। इसके बाद गांव वाले अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। अगले दिन सरकार ने सहरसा पुलिस चौकी के अधिकारियों, गोह थाना प्रभारी, दाऊदनगर प्रभारी को सस्पेंड कर दिया। गुमला के एसपी संजय लाटेकर को औरंगाबाद का नया एसपी बनाया गया। एसपी एमपी राव को दो हफ्ते पहले ही औरंगाबाद भेजा गया था, लेकिन पैर में चोट लगने की वजह से अभी तक वे चार्ज नहीं ले सके थे। इसी दिन लालू ने बताया कि नरसंहार से जुड़े 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। राबड़ी सरकार पर इतना ज्यादा दबाव बढ़ चुका था कि सरकार हर हाल में रणवीर सेना प्रमुख ब्रह्मेश्वर मुखिया को पकड़ना चाहती थी। मुखिया के सिर पर 5 लाख का इनाम भी रखा था। पर वो सरकार के हाथ लग नहीं रहे थे। ऊपर से अखबारों में इंटरव्यू देकर सरकार को चुनौती दे रहे थे। इससे लालू-राबड़ी की काफी किरकिरी हो रही थी। कुमार नरेंद्र अपनी किताब बिहार में निजी सेनाओं का उद्भव और विकास में लिखते हैं- 'मियांपुर नरसंहार के बाद लालू रणवीर सेना के एक कार्यकर्ता के जरिए ब्रह्मेश्वर मुखिया को गिरफ्तार करवाना चाहते थे, लेकिन वो कार्यकर्ता तैयार नहीं हुआ। लालू ने 10 लाख रुपए की पेशकश की थी। इस कार्यकर्ता ने बताया कि लालू ने बड़हरा के विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के जरिए उससे संपर्क किया था।' मियांपुर नरसंहार को सेनारी और अफसढ़ नरसंहार का बदला कहा गया। 18 मार्च 1999 को जहानाबाद जिले के सेनारी गांव में 34 भूमिहारों का गला काटा गया था। नरसंहार का आरोप माओवादी संगठन एमसीसी पर लगा था। आरोपियों में ज्यादातर दलित और यादव थे। सेनारी नरसंहार की पूरी कहानी पिछले एपिसोड में हम बता चुके हैं। अफसढ़ में क्या हुआ था, क्योंकि मियांपुर नरसंहार के बाद हमलावर इसका जिक्र कर रहे थेष्ठ दरअसल, इस कहानी की शुरुआत होती है एक सियासी लड़ाई से।

नवादा में उन दिनों दो गैंग का दबदबा था- अशोक महतो गैंग और अखिलेश सिंह गैंग। अशोक कुर्मी समुदाय से था और अखिलेश सिंह भूमिहार। बात 2000 विधानसभा चुनाव की है। नवादा की वारिसलीगंज सीट से अखिलेश सिंह की पत्नी अरुणा देवी निर्दलीय मैदान में उतरीं। राजद की तरफ से मणिलाल प्रसाद चुनाव में उतरे। मणिलाल को चुनाव जिताने के लिए यादवों ने खूब जोर लगाया, पर चुनाव जीत गईं अरुणा देवी। पत्नी की मदद करने के साथ-साथ अखिलेश सिंह ने नवादा जिले के दूसरे उम्मीदवारों को भी जिताने के लिए जी तोड़ मेहनत की थी। इस चुनाव के नतीजों कुछ ही महीने बाद अखिलेश के गुट पर हमला हुआ। आरोप लगा यादवों पर। इसके बाद 3 जून 2000 को राजोबिगहा ब्लॉक में 5 यादवों की हत्या हो गई। कुछ दिनों बाद 3 कुर्मी भी मार दिए गए। आरोप लगा अखिलेश सिंह पर। बात 11 जून 2000 की है। नवादा जिले में एक गांव है अफसढ। ये गांव गैंगस्टर अखिलेश सिंह का गांव है। यहां भूमिहारों का अच्छा-खासा दबदबा था। रात के करीब 10 बज रहे थे। 50-60 आदमी अचानक गांव में घुसे। उनके हाथों में बंदूक, तलवार और देसी हथियार थे। हमलावरों ने गांव में इधर-उधर घूमकर रेकी की। गांव के कुछ लोग भी उनके साथ थे। फिर उन लोगों ने एक मकान को टारगेट किया। हमलावरों में से एक आदमी छत पर चढ़ गया। इधर-उधर नजर दौड़ाई। देखा एक दर्जन से ज्यादा लोग गहरी नींद में सो रहे थे। वह दबे पांव नीचे उतरा और अपने कमांडर से बोला- 'काकाष्ठ काम बन गया। 15-20 लोग सो रहा है। चलो काम तमाम कर देते हैं।' फौरन 15-20 हमलावर छत पर चढ़ गए। एक दूसरे को टॉर्च जलाकर इशारा किया और गोलियां बरसाने लगे। कुछ लोग गोली लगते ही मर गए। कुछ लोगों को गोली हाथ-पैर में लगी। वे भागना चाह रहे थे, तभी हमलावरों ने उनकी गर्दन पर तलवार मार दी। दो बच्चे तो जान बचाने के लिए छत से कूद गए। करीब 10 मिनट तक हमलावर तांडव मचाते रहे। फिर नीचे उतरे और एमसीसी जिंदाबाद, एमसीसी जिंदाबाद' नारा लगाते हुए गांव से निकल गए। 11 लोग मौके पर ही मारे गए। इनमें दो बच्चे भी थे। एक की उम्र महज 4 साल थी और दूसरे की उम्र 10 साल। 4 लोग बुरी तरह जख्मी हुए थे। उन्हें फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन कुछ ही दिनों में उनमें से एक की मौत हो गई। इस तरह अफसढ नरसंहार में 12 लोग मारे गए। सभी लोग भूमिहार थे। इसमें गैंगस्टर अखिलेश सिंह का छोटा भाई भी मारा गया। रात में ही इस नरसंहार की खबर आग की तरफ फैल गई। आसपास के गांवों के भूमिहारों ने नवादा शहर में बवाल कर दिया। गाड़ियों में आग लगाने लगे। दुकानों में आग लगाने लगे।

पूरा शहर जलने लगा। सुबह होते होते नाराज भीड़ ने पास के एक रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में आग लगा दी। उसकी कई बोगियां जल गईं। सुबह तक पूरा गांव छावनी में बदल चुका था। हर तरफ पुलिस तैनात थी। एक समूह बेहद गुस्से में था। पुलिस लगातार उन्हें समझाने की कोशिश करती रही, पर गांव वालों ने दिनभर लाश किसी को छूने नहीं दी। 12 लाशें जेठ की दोपहरी में भी धूप में पड़ी रहीं। वे लोग बार-बार बदला लेने का नारा लगा रहे थे। पुरुषों के साथ महिलाएं भी उग्र हो गई थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्यपाल विनोद चंद्र पांडे ने गांव के लोगों को समझाया। तब जाकर देर शाम अंतिम संस्कार हो पाया। इस नरसंहार के पीछे अशोक महतो गैंग का हाथ माना गया। अशोक महतो, राबड़ी सरकार में मंत्री और नवादा से निर्दलीय विधायक का खास आदमी था। जिन 12 भूमिहारों का कत्ल हुआ, उनमें से ज्यादातर गैंगस्टर अखिलेश सिंह के रिश्तेदार थे। इस नरसंहार में अखिलेश का भाई राजो सिंह भी मारा गया था। नरसंहार के बाद अखिलेश की मां ने मीडिया वालों से बताया था- 'एक दिन पहले कुछ आदमी पुलिस की वर्दी में आए थे। वे लोग अखिलेश के रिश्तेदारों के बारे में पूछ रहे थे। मैंने सबके बारे में बता दिया। मुझे नहीं पता था कि ऐसा कुछ होने वाला है।' विपक्ष लगातार राबड़ी देवी पर इस्तीफे का दबाव बना रहा था। बीजेपी और जनता दल के नेता मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को अफसढ जाने की मांग कर रहे थे। हालांकि, मुख्यमंत्री नरसंहार के बाद अफसढ नहीं गईं। विपक्ष ने सवाल भी उठाया कि मरने वाले भूमिहार हैं, इसलिए राबड़ी वहां नहीं जा रहीं। इससे पहले मार्च 1999 के सेनारी में 34 भूमिहारों की हत्या हुई थी, वहां भी राबड़ी देवी नहीं गई थीं। तब उन्होंने कहा था- 'ऊ लोग हमारा वोटर नहीं हैं, हम क्यों जाएं वहां।' तब इस बयान पर जमकर सियासत हुई थी। रामविलास पासवान ने राबड़ी के बयान को शर्मनाक बताया था। अफसढ़ नरसंहार के बाद भूमिहार बदला लेने का मन बना चुके थे और 5 दिन बाद ही मियांपुर में नरसंहार हो गया। सवाल उठता है कि अफसढ़ नरसंहार के पीछे तो महतो गैंग यानी कुर्मियों का हाथ था, तो उनके निशाने पर यादव क्यों आए और वो भी नवादा के बजाय औरंगाबाद के...सीनियर जर्नलिस्ट सुरूर अहमद एक आर्टिकल में लिखते हैं- 'रणवीर सेना अफसढ़ नरसंहार का बदला यादवों की हत्या करके लेना चाहती थी। इसकी सियासी वजह थी। दरअसल, मध्य बिहार में कुर्मी और भूमिहार समता पार्टी (जो बाद में जदयू बन गई) के बैकबोन थे। अगर रणवीर सेना कुर्मियों को टारगेट करती तो ये कॉम्बिनेशन बिगड़ जाता। इसलिए रणवीर सेना ने कुर्मियों के बजाय यादवों को निशाना बनाया। उन्होंने मियांपुर नरसंहार के जरिए भूमिहारों को मैसेज दिया कि तुम्हारी लड़ाई कुर्मियों से नहीं, यादवों से है।' इसकी एक बड़ी वजह यह भी रही कि मार्च 1999 में माओवादियों ने सेनारी में 34 भूमिहारों को चुन-चुनकर मारा था। रणवीर सेना का मानना था कि हत्या में यादवों का हाथ था। इसलिए भी उनके निशाने पर यादव थे। 13 साल बाद हाईकोर्ट का फैसला, 10 में से 9 आरोपी बरी- औरंगाबाद पुलिस ने पहले 4 सितंबर 2000 और फिर 11 अप्रैल 2002 को दो फेज में चार्जशीट दाखिल की। ट्रायल के दौरान 69 लोगों ने गवाही दी। 20 दिसंबर 2007 को औरंगाबाद सिविल कोर्ट में ने मियांपुर नरसंहार मामले में 10 आरोपियों को उम्रकैद की सजा के साथ ही पांच-पांच हजार रुपए जुर्माना लगाया। जुर्माना नहीं देने पर तीन साल की अतिरिक्त सजा सुनायी गई थी। इसके बाद आरोपी पटना हाईकोर्ट पहुंच गए। जुलाई 2013 में हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी के चलते 10 में से 9 को बरी कर दिया। जहां नरसंहार हुआ, वहां 5 साल में एनडीए, 5 सीट से 12 पर पहुंची, आरजेडी-कांग्रेस 17 से 9 पर सिमटे बिहार में ज्यादातर नरसंहार मगध इलाके में हुए। यहां कुल 26 सीटें हैं। मियांपुर नरसंहार के बाद 2000 में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 2 और जेडीयू को 3 सीट मिलीं। यानी कुल 5 सीट। जबकि आरजेडी को 17 और कांग्रेस का खाता नहीं खुला। फरवरी 2005 के चुनाव में भी बीजेपी को 2 और समता पार्टी को 3 यानी कुल 5 सीट मिलीं, लेकिन आरजेडी 11 पर सिमट गई। और कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली। अक्टूबर 2005 में बीजेपी ने 5 और समता पार्टी से मिलकर बनी जेडीयू ने 7 सीट जीत लीं। यानी एनडीए के खाते में 12 सीटें आ गईं। जबकि आरजेडी 8 और कांग्रेस महज 1 सीट ही जीत पाई। यानी कुल 9 सीट। राबड़ी सरकार के दौरान ही पटना हाईकोर्ट ने 'जंगल राज' शब्द का इस्तेमाल किया था। आज भी बीजेपी और एनडीए जंगल राज को लेकर आरजेडी को घेरती रही हैं। हर चुनाव में बीजेपी इसे मुद्दा बनाती है।मियांपुर नरसंहार के बाद आरजेडी की सीटें लगातार घटती गई। अक्टूबर 2005 में आरजेडी बहुमत से कोसों दूर रह गई। वह 243 में से सिर्फ 54 सीटें ही जीत पाई। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने और तब से अब तक हर बार बिहार की सत्ता नीतीश के इर्द-गिर्द ही रही है। (यह सच्ची कहानी पुलिस चार्जशीट, कोर्ट जजमेंट, गांव वालों के बयान, अलग-अलग किताबें और इंटरनेशल रिपोर्ट्स पर आधारित है। क्रिएटिव लिबर्टी का इस्तेमाल करते हुए इसे कहानी के रूप में लिखा गया है।)

रेफरेंसः-Ruled or Misruled: Story and Destiny of Bihar
https://www.tribuneindia.com/2000/20000618/main1.htm?utm_source=chatgpt.com
https://www.bhaskar.com/bihar-election/news/bihar-miyapur-massacre-history-rabri-devi-yadav-dalit-135955538.html
https://indiankanoon.org/doc/154883313/
https://www.telegraphindia.com/india/12-shot-dead-in-bihar-midnight-massacre/cid/895371

'विजेयता' की शूटिंग के दौरान पहुंची असली पुलिस,क्रू मेंबर को लगा फिल्म का सीन, एक्टर्स ने कहा- यह तो स्क्रिप्ट में नहीं था

मुंबई। माय फ्रेंड गणेशा फेम डायरेक्टर राजीव एस. रुइया की फिल्म 'विजेयता' कोलकाता के एक उद्यमी डॉ. राजेश के. अग्रवाल के

वास्तविक जीवन की 'जीरो टू हीरो' यात्रा पर आधारित है। यह फिल्म आज थिएटर में रिलीज हो चुकी है। पिछले दिनों इस फिल्म को लेकर डायरेक्टर राजीव एस. रुइया, स्टारकास्ट रवि भाटिया और भारती अवस्थी ने बताया की फिल्म की शूटिंग का एक किस्सा शेयर करते हुए डायरेक्टर ने बताया कि कैसे असली पुलिस सेट पर पहुंची और क्रू मेंबर को लगने लगा कि असली सीन की शूटिंग चल रही है। बातचीत के दौरान फिल्म की स्टारकास्ट और डायरेक्टर ने फिल्म से जुड़े कुछ और किस्से शेयर किए। सवाल- राजीव जी, फिल्म के बारे में बताएं, किस तरह की यह फिल्म है? जवाब- यह फिल्म एक ऐसे इंसान राजेश अग्रवाल की बायोपिक है। जिनकी लाइफ का यह मोटो था कि जीरो से हीरो कैसे बनें? उन्होंने अपनी जिंदगी में जो भी काम शुरू किया, उसमें विफलता ही मिली। उन्होंने 3-4 बिजनेस शुरू किया जिसमें उन्हें विफलता मिली, लेकिन हिम्मत नहीं हारा और आज टॉप के बिजनेसमैन हैं। यह फिल्म जो भी देखेगा उसे लगेगा कि यह हमारी अपनी कहानी है।

सवाल- रवि जी, आप कैसे इस फिल्म से जुड़े? जवाब- इस फिल्म से पहले राजीव सर के साथ 3-4 सॉन्ग और एक फिल्म में भी छोटा सा कैमियो कर चुका हूं। राजीव सर ने इस फिल्म के बारे में बताया जिसमें किरदार की जर्नी को 17 साल से 50 साल तक दिखाया गया है। 17 साल का किरदार निभाना तो आसान था, लेकिन 50 साल के बॉडी लैंग्वेज को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल था। राजीव सर ने मुझे प्रोत्साहित किया। इस वजह से यह किरदार निभा पाया हूं। सवाल- भारती जी, आपको इस फिल्म में काम करने का मौका कैसे मिला? जवाब- इस फिल्म के लिए राजीव जी का फोन आया था। उन्होंने बताया था कि मेरे चेहरा फिल्म के किरदार के साथ मिलता जुलता है। मेरे यह पहली फिल्म है। जब राजीव सर ने मुझे स्क्रिप्ट सुनाई तो थोड़ी नर्वस थी। क्योंकि एक वास्तविक किरदार को परदे पर निभाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। राजीव सर ने मेरे मनोबल बढ़ाया, उन्हें विश्वास था कि इस किरदार को निभा सकती हूं। मैंने उनके इस विश्वास पर पूरी तरह से खरी उतरने की कोशिश की। सवाल- राजीव जी, किसी व्यक्ति के जीवन को पर्दे पर उतरना आसान नहीं होता है, आपको किस तरह की चुनौतियां आईं? जवाब- चुनौतियां तो पहले ही दिन से शुरू हो गई थीं। लोग मुझे 'माई फ्रेंड गणेशा' जैसी बच्चों की फिल्म से जानते हैं। मैं सोच रहा था कि बायोपिक बनाने का रिस्क लेने जा रहा हूं। अगर असफल हुआ तो बहुत गाली पड़ेगी, लेकिन जब कहानी सुनी तो मुझे बहुत ही प्रेरणादायक लगी। तभी सोच लिया कि यह फिल्म करनी है। सवाल- रवि जी, शूटिंग के दौरान आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या थी? जवाब- मुझे 50 साल की उम्र के लिए प्रोस्थेटिक मेकअप करवाना पड़ता था। इसे करने में कम से कम 3-4 घंटे लगते थे। अगर सुबह 9 बजे की शिफ्ट होती थी तो मेरा मेकअप 6 बजे से ही शुरू हो जाता है। प्रोस्थेटिक मेकअप में आमतौर पर 4 घंटे से ज्यादा शूट नहीं कर सकते हैं, क्योंकि केमिकल से स्किन जल जाती है और बहुत दर्द होता है। लेकिन जब कहानी और किरदार में डूबे रहते हैं तो उस दर्द का एहसास नहीं होता है। मैंने उसी मेकअप में 12 घंटे शूटिंग की। फिल्म 'पा' में अमिताभ बच्चन का प्रोस्थेटिक मेकअप ही था। सवाल- भारती जी, सुना है कि शूटिंग के दौरान पैर में चोट लग गया, उसके बाद भी आप शूटिंग करती रहीं, उस क्षण के बारे में कुछ बताएं? जवाब- अंतिम दिन गाने की शूटिंग चल रही थी। एक सीन में पानी में भागकर आना था और डांस करना था। पानी के अंदर पैर में कुछ घुस गया। रवि की नजर पड़ी कि पानी लाल क्यों दिख रहा है। तब मुझे पता चला की पैर में ज्यादा जख्म हो गया, लेकिन शूटिंग में कभी दर्द का एहसास ही नहीं हुआ।सवाल- राजीव जी, शूटिंग के दौरान ऐसी कोई घटना जिसके बारे में बताना चाहें? जवाब- कोलकाता आज के समय में बहुत आधुनिक हो गया है। पहले के कोलकाता का लोकेशन हमें ओल्ड भोपाल में मिला। कोलकाता जैसी गलिया और दुकानें वहां मिल गई थी। वहीं मार्केट में शूट कर रहे थे। फिल्म के एक सीन में एक दुकानदार को दिखाना था। दुकानदार के रोल में भोपाल के एक पुराने थिएटर एक्टर को कास्ट किया था। अचानक पुलिस बैन आई और उसको लेकर चली गई। सबको लग रहा था कि वह शूटिंग का ही हिस्सा है, लेकिन हमारे लीड एक्टर्स कन्फ्यूज हो गए कि वह तो सीन तो स्क्रिप्ट में नहीं था। दरअसल, जिस एक्टर को हमने कास्ट किया था। पुलिस उसे 3-4 महीने से ढूंढ रही थी। कुछ केस रहा होगा। अगर उस दिन शूटिंग नहीं करते तो 2-3 महीने तक शूटिंग नहीं हो पाती। क्योंकि पीएम आने वाले थे, इस वजह से उस लोकेशन पर 2-3 महीने तक शूटिंग की अनुमति नहीं थी। फिर मैंने अपने फिल्म के राइटर को दुकानदार वाले रोल में कास्ट करके शूटिंग पूरी की।

तमिल एक्टर रोबो शंकर का निधन,एक दिन पहले शूटिंग के दौरान फिल्म सेट पर हुए थे बेहोश, कमल हासन ने जताया दुख

मुंबई। तमिल फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने कॉमेडियन और एक्टर

रोबो शंकर का गुरुवार, 18 सितंबर को निधन हो गया। वह 46 साल के थे। शंकर चेन्नई में एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे। लाइव मिंट जैसे संस्थानों की मीडिया रिपोर्ट्स पर लिखा गया कि उन्हें गुर्दे की समस्या थी। बुधवार को उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया। गुरुवार रात करीब 8:30 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। 17 सितंबर को शंकर के सेट पर बेहोश भी हो गए थे। उनके निधन की खबर के बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दुख जताया। एक यूजर ने लिखा -'रोबो शंकर सर के उस मशहूर सीन की अलग ही फैन फॉलोइंग है। बहुत जल्दी चले गए! ॐ शांति' दूसरे यूजर ने लिखा -'रोबो न, आपको ऐसे नहीं जाना चाहिए था। आपको यहीं होना चाहिए था। कुछ खोने से सिर्फ दुख नहीं होता, गुस्सा भी आता है। इंसान पर, वक्त पर और अलविदा के ख्याल पर भी।' वहीं, एक्टर कमल हासन ने एक्स पर लिखा-'रोबो शंकर। रोबो तो बस एक उपनाम है। मेरी नजर में तुम इंसान हो। तुम मेरे छोटे भाई हो। क्या ऐसे ही मुझे छोड़कर चले जाओगे? तुम्हारा काम पूरा हो गया, तुम चले गए। मेरा काम अभी अधूरा है। तुम हमारे लिए कल चले गए। इसलिए, कल हमारा है।' रोबोट-स्टाइल डांस मूव्स से 'रोबो' नाम मिला -शंकर का जन्म मदुरै में हुआ था। उन्हें 'रोबो' नाम उनके खास रोबोट-स्टाइल डांस मूव्स की वजह से मिला था। उन्होंने 2000 के दशक में छोटे रोल्स से करियर की शुरुआत की। बाद में स्टार विजय के शो 'कलक्का पोवथु यारु' से उन्हें पहचान मिली। यहां उनकी कॉमेडी टाइमिंग और बॉडी लैंग्वेज काफी पसंद की गई। शंकर को फिल्मों में बड़ा मौका 'इधारकुठाने' , 'आसाइपट्टई बालाकुमारा' और 'वायै मूडी पेसावम' से मिला। इसके बाद उन्होंने 'वेलैनु वंधुट्टा वेल्लईकरन', 'मारी', 'विश्वसम' और कोबरा जैसी फिल्मों में काम किया। कुछ साल पहले, उन्हें लंबे समय तक पीलिया रहा था। इस दौरान उनका वजन भी कम हो गया था। हालांकि, इलाज के बाद उन्होंने फिल्मों में वापसी की थी। शंकर के परिवार में उनकी पत्नी और एक्ट्रेस प्रियंका शंकर हैं। उनकी बेटी इंद्रजा शंकर फिल्मों के साथ सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं।

75वें बर्थडे पर जमकर थिरकीं शबाना आजमी,पति जावेद अख्तर संग प्रिटी लिटिल बेबी पर किया डांस

मुंबई। वेटरन एक्ट्रेस शबाना आजमी 18 सितंबर को

75 साल की हो गईं। इस मौके पर एक ग्रैंड बर्थडे पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें बॉलीवुड के कई नामी चेहरों ने शिरकत की। इस वक्त सोशल मीडिया पर सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें और वीडियो छाए हुए हैं। एक्ट्रेस ने अपना 75वां बर्थडे डांस और गानों के बीच सेलिब्रेट किया है। इन वीडियो में एक्ट्रेस दिल खोलकर नाचते दिख रही हैं। पार्टी में शबाना कभी सौतेले बेटे फरहान अख्तर के साथ उनकी फिल्म 'जिंदगी मिलेगी ना दोबारा' के गाने पर डांस करते नजर आ रही हैं, तो कभी पति जावेद अख्तर के साथ सालसा कर रहीं। एक और वीडियो में वो रेखा, माधुरी दीक्षित, विद्या बालन और उर्मिला मातोंडकर के साथ 'परिणीता' फिल्म के गाने 'कैसी पहेली' पर भी थिरकते दिखीं। हालांकि, माहौल तब और स्पेशल हो गया, जब शबाना अपने गीतकार पति जावेद अख्तर के साथ डांस फ्लोर पर आईं। दोनों मैचिंग रंग के कपड़ों में नजर आए। शबाना और जावेद अख्तर अमेरिकी सिंगर कोनी फ्रांसिस के टाइमलेस क्लासिक गाने प्रिटी लिटिल बेबी पर डांस करते दिखे। दोनों के इस रोमांटिक ने डांस वहां मौजूद सभी सितारों का दिल जीत लिया। वहां मौजूद सभी लोगों ने इस पल को अपने कैमरे में कैद भी किया। जावेद अख्तर के साथ शबाना के डांस को फैंस को खूब पसंद कर रहे हैं। इस बर्थडे सेलिब्रेशन में फराह खान, फरहान अख्तर, मनीष मल्होत्रा, करण जौहर, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, रेखा, सोनू निगम, महीप कपूर और उर्मिला मातोंडकर जैसे कई नाम शामिल थे।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो शूटर गिरफ्तार,यूपी के बागपत के रहने वाले; गैंग लीडर ने पुलिस को चैलेंज दिया- बदला लेंगे

बरेली। यूपी के बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर

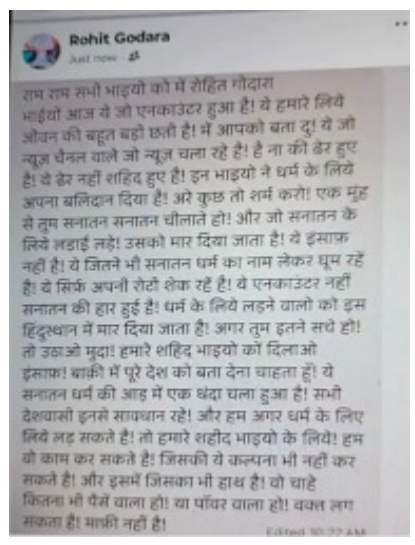

फायरिंग करने वाले दो और शूटरों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को दोनों शूटरों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ा है। इनके नाम नकुल सिंह और विजय तोमर हैं। दोनों बागपत के रहने वाले हैं। इन पर एक-एक लाख का इनाम था। दोनों ने 11 सितंबर को दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की थी। इनके दो सीसीटीवी सामने आए थे। इसमें वे बाइक पर जाते हुए नजर आ रहे हैं। बरेली पुलिस ने दिल्ली पुलिस से संपर्क किया है। दोनों शूटरों को बी-वारंट पर बरेली लाया जाएगा। बरेली पुलिस के मुताबिक, दिशा पाटनी के घर दो दिन यानी 11 और 12 सितंबर को फायरिंग हुई थी। 11 सितंबर को सुबह तड़के साढ़े 4 बजे नकुल और विजय ने फायरिंग की थी। जबकि 12 सितंबर को हरियाणा के शूटर अरुण और रविंद्र ने फायरिंग की थी। उप्र एसटीएफ ने हरियाणा और दिल्ली पुलिस के साथ 17 सितंबर की शाम गाजियाबाद में अरुण और रविंद्र को एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। इसके बाद से विजय और नकुल की तलाश कर रही थी।

चारों शूटर रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के गैंग के सदस्य थे। अपने दो शूटरों के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद गैंग लीडर रोहित गोदारा बौखला गया। उसने उप्र पुलिस को धमकी दी थी। कहा था- हमारे जो दो शूटर्स मारे गए हैं, हम इसका बदला लेंगे। कोई कितना भी ताकतवर हो, माफी नहीं मिलेगी। पुलिस के मुताबिक, चारों शूटर दो बाइकों से 10 सितंबर को बरेली आ गए थे। नकुल और विजय स्प्लेंडर बाइक से थे। दोनों सुबह 6 बजकर 48 मिनट पर झुमका चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। सुबह 7 बजकर 15 मिनट पर जंक्शन रोड के हिंद गेस्ट हाउस में अरुण, विजय और नकुल ने चेक-इन किया। यहां से दिशा पाटनी का घर आधा किलोमीटर दूर है। जबकि चौथा शूटर रविंद्र पुराने बस अड्डे से सटे प्रीत पैलेस होटल में रुका था। उसने सागर के नाम से आईडी दी थी। पुलिस के मुताबिक, 11 सितंबर को जिस वक्त नकुल और विजय ने दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की थी। उस वक्त पाटनी का परिवार सो रहा था। पिता जगदीश पाटनी ने एफआईआर में बताया था- फायरिंग के दौरान मेरा कुत्ता भौंकने लगा। मुझे संदेह हुआ। तब मैं बालकनी में आया, तो नीचे बाइक सवार 2 लोग दिखे। टोकने पर एक युवक ने मुझे निशाना बनाकर फायरिंग कर दी। मैंने पिलर के पीछे फर्श पर लेटकर अपनी जान बचाई। घटना के वक्त एक्ट्रेस दिशा पाटनी मुंबई में थीं। पुलिस के मुताबिक, पहले दिन

फायरिंग के बाद नकुल और विजय बरेली ने छोड़ दिया। वहीं, एक और शूटर रविंद्र 11 सितंबर को रामपुर पहुंचा, जहां उसने रामनिवास के नाम से होटल में आईडी दी। फिर अगले दिन यानी 12 सितंबर को वह बरेली लौटा। इसके बाद, रविंद्र और अरुण ने दिशा पाटनी के घर पर 12 सितंबर की रात ताबड़तोड़ फायरिंग की। दोनों भागते हुए सीसीटीवी में कैद हो गए। रविंद्र मुख्य आरोपी था, जिसने फायरिंग की, जबकि अरुण बाइक चला रहा था और हेलमेट पहने हुए था। रविंद्र का चेहरा सीसीटीवी में साफ नजर आया था। गैंगस्टर रोहित गोदरा की धमकी के बाद बरेली में दिशा पाटनी के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस 24 घंटे पहरेदारी कर रही है। शुक्रवार दोपहर को दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी और बहन खुशबू पाटनी सुरक्षा में घर से बाहर निकले। दोनों गाड़ी में बैठकर कहीं चले गए। इस दौरान मीडिया ने जगदीश पाटनी से बात करने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। यूपी एसटीएफ ने बुधवार शाम 7:22 बजे गाजियाबाद के ट्रॉनिका सिटी एरिया में अरुण और रविंद्र को एनकाउंटर में मार गिराया था। इनके पास से ग्लॉक, जिगाना पिस्टल और कारतूस बरामद हुए थे। एक सफेद अपाचे भी मिली थी। बताया जा रहा है कि यह वही अपाचे बाइक है जिस पर बदमाश बरेली आए और दिशा पाटनी के घर फायरिंग करके लौट गए थे। रोहित गोदारा नाम

की फेसबुक अकाउंट से गुरुवार सुबह 10.22 बजे पोस्ट हुआ। इसमें लिखा- भाइयों, आज ये जो एनकाउंटर हुआ है, यह हमारे लिए जीवन की बहुत बड़ी क्षति है। मैं आपको बता दूं, यह जो न्यूज चैनल वाले चला रहे हैं कि ढेर हुए, ये ढेर नहीं शहीद हुए हैं। इन भाइयों ने धर्म के लिए अपना बलिदान दिया है। अरे कुछ तो शर्म करो। एक मुंह से तुम सनातन सनातन चिल्लाते हो और जो सनातन के लिए लड़ाई लड़े, उसे मार दिया जाता है। यह इंसाफ नहीं है।ये जितने भी सनातन धर्म का नाम लेकर घूम रहे, ये सिर्फ अपनी रोटी सेक रहे हैं। यह एनकाउंटर नहीं, सनातन की हार हुई है। धर्म के लिए लड़ने वालों को इस हिंदुस्तान में मार दिया जाता है। अगर तुम इतने सच्चे हो तो उठाओ मुद्दा। हमारे शहीद भाइयों को दिलाओ इंसाफ। सनातन धर्म की आड़ में धंधा चल रहाः मैं पूरे देश को बता देना चाहता हूं कि यह सनातन धर्म की आड़ में एक धंधा चला हुआ है। सभी देशवासी इनसे सावधान रहें और हम अगर धर्म के लिए लड़ सकते हैं तो हमारे शहीद भाइयों के लिए हम वह काम कर सकते हैं, जिसकी ये कल्पना भी नहीं कर सकते। इसमें जिसका भी हाथ है, वह चाहे कितना भी पैसे वाला हो या पावर वाला हो, वक्त लग सकता है। माफी नहीं है। 30 जुलाई को दिशा पाटनी की बहन और पूर्व आर्मी ऑफिसर खुशबू पाटनी ने एक वीडियो जारी किया था। इसमें कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के लिव-इन-रिलेशनशिप वाले बयान पर खुशबू ने कहा- ऐसे लोगों का तो मैं मुंह तोड़ दूंगी। अगर ये शख्स मेरे सामने होता तो मैं इसे अच्छे से समझा देती कि 'मुंह मारना' क्या होता है। इसे राष्ट्र विरोधी कहने में मुझे कोई हिचक नहीं। जिस इंसान की सोच इतनी घटिया हो, उसे मंच मिलना ही नहीं चाहिए। खुशबू पाटनी ने सवाल उठाया- अगर कोई लिव-इन में है तो क्या लड़की अकेली है? क्या लड़के शामिल नहीं होते?

विशेष साक्षात्कार

फिल्म और टेलीस्टार दिव्या खोसला से बातचीत,Magazine Head: संगीता शर्मा, आधुनिक समाचार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। **प्रश्न (संगीता शर्मा): दिव्या जी, सबसे पहले बताइए कि आज की फिल्म इंडस्ट्री को आप किस नज़र से देखती हैं?**उत्तर (दिव्या खोसला): फिल्म इंडस्ट्री आज बेहद प्रोफ़ेशनल और प्रतिस्पर्धी हो चुकी है। यहाँ अब केवल प्रतिभा ही नहीं, बल्कि मेहनत और निरंतरता की भी ज़रूरत है। **प्रश्नः आपने फ़िल्मों के साथ-साथ टीवी में भी काम किया है। दोनों माध्यमों का अनुभव कैसा रहा?** उत्तरः टीवी और फ़िल्म दोनों का अपना अलग आकर्षण है। टीवी दर्शकों से रोज़ाना जुड़ने का मौका देता है, वहीं फ़िल्में बड़े पर्दे पर लंबे समय तक असर छोड़ती हैं। दोनों ने मुझे अलग-अलग तरह से परिपक्व बनाया। **प्रश्नः आज की युवा पीढ़ी आपको रोल मॉडल मानती**

है। आप उन्हें क्या संदेश देना चाहेंगी? उत्तरः मैं यही कहना चाहूँगी कि कभी शॉर्टकट्स मत अपनाइए। मेहनत, ईमानदारी और आत्मविश्वास आपको हर मुकाम तक पहुँचा सकते हैं। प्रश्नः आपके लिए सफलता की परिभाषा क्या है? उत्तरः मेरे लिए सफलता सिर्फ़ लोकप्रियता नहीं है, बल्कि परिवार, दर्शकों और अपने काम से संतुष्टि पाना ही सच्ची सफलता है। **प्रश्नः आने वाले समय में आपके कौन-कौन से प्रोजेक्ट्स रिलीज़ होने वाले हैं?** उत्तरः अभी कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जिनकी घोषणा बहुत जल्द होगी। दर्शकों से उम्मीद है कि वे हमेशा की तरह प्यार और आशीर्वाद देंगे। प्रश्नः निजी जीवन और प्रोफ़ेशनल जीवन को आप कैसे बैलेंस करती हैं? उत्तरः यह आसान नहीं होता, लेकिन परिवार का साथ और सही समय प्रबंधन से सब कुछ संभव हो जाता है।

सलमान खान ने पूरी की 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग,डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने शेयर किए शूटिंग के पीछे के मोमेंट्स

मुंबई। सलमान खान ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग सिर्फ 45 दिनों में पूरी कर ली है। डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट के कुछ खास पीछे के लम्हे शेयर किए हैं। इनमें सलमान के साथ कई तस्वीरें और वीडियो शामिल हैं। अपूर्व ने अपनी स्टोरी में बताया कि शूटिंग बहुत कठिन रही, ठंडे मौसम, इंडस नदी में चलना और मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद यह अनुभव टीम के लिए यादगार बन गया। वहीं, शूटिंग खत्म होने के बाद सलमान मुंबई लौट आए। एयरपोर्ट पर उन्हें काले कपड़ों में और बिना मूंछों के देखा गया। इससे पहले भी सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग से उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई थीं।जिनमें वह लेह-लद्दाख में सलमान जवानों और फैंस के साथ पोज देते दिखे थे। यह तस्वीरें फिल्म के लेह-लद्दाख शेड्यूल के दौरान की बताई गई थीं। वहीं, इससे पहले 9 सितंबर को फिल्म में उनका पहला लुक जारी हुआ था, जिसमें वह दमदार अंदाज में नजर आए थे। सलमान खान ने खुद यह तस्वीर अपना ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस फोटो में वे आर्मी की वर्दी में, सिर से खून टपकता हुआ, घनी मूंछों के साथ देशभक्ति के रंग में दिखे।

दिव्या खोसला और निर्देशक उमेश शुक्ला ने लखनऊ में अपनी आगामी फिल्म 'एक चतुर नार' का प्रचार वह शहर जहाँ से इसकी शुरुआत हुई

लखनऊ। अपनी आगामी

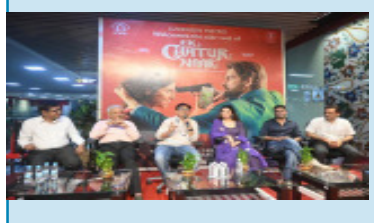

फिल्म 'एक चतुर नार' की आत्मा रहे शहर का जश्न मनाते हुए, मुख्य अभिनेत्री दिव्या खोसला और प्रशंसित निर्देशक उमेश शुक्ला ने फिल्म के प्रचार के सिलसिले में लखनऊ का दौरा किया। इस आकर्षक दौरे में प्रमुख स्थानीय मीडिया संस्थानों के साथ मीडिया से बातचीत की एक श्रृंखला शामिल थी, जहाँ दिव्या और उमेश शुक्ला ने अपनी रचनात्मक यात्रा, लखनऊ में फिल्मांकन के दौरान के अनुभवों और 'एक चतुर नार' के पीछे की प्रेरणा पर चर्चा की। दोनों ने एक लोकप्रिय लखनऊ मेट्रो स्टेशन का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने दैनिक यात्रियों से बातचीत की, प्रशंसकों को आश्चर्यचकित किया और प्रचार गतिविधियों में एक जीवंत, स्थानीय स्पर्श जोड़ा। टी-सीरीज़ प्रस्तुत करती है 'ए मेरी गो राउंड स्टूडियोज़ प्रोडक्शन', जिसका निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है और जिसका निर्माण उमेश शुक्ला, आशीष वाघ और जीशान अहमद ने किया है। दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश अभिनीत 'एक चतुर नार' अब सिनेमाघरों में है।

फिल्म रिव्यू

जॉली एलएलबी 3,दो जॉली, एक अदालत और किसानों की जमीन पर जंग, एक्टिंग में अक्षय कुमार पर भारी पड़े अरशद वारसी

मुंबई। जॉली एलएलबी फ्रेंचाइज की खासियत यही रही है कि अदालत की दीवारों के भीतर गम्भीर मुद्दों को भी हल्की-फुल्की कॉमेडी के साथ पेश किया गया। पहली फिल्म में अरशद वारसी ने जॉली बनकर दिल जीता था, दूसरी में अक्षय कुमार ने बागडोर संभाली। अब तीसरे हिस्से 'जॉली एलएलबी 3' में दोनों जॉली आमने-सामने हैं और कहानी किसानों की जमीन की जंग पर आकर उलझ जाती है। फिल्म की कहानी क्या कहती है? 'जॉली एलएलबी 3' की कहानी 2011 में उत्तर प्रदेश के भट्टा-पारसौल किसान आंदोलन पर ढीले रूप से आधारित है। फिल्म में इसे राजस्थान के बीकानेर की पृष्ठभूमि दी गई है, जहां इम्पीरियल ग्रुप का मालिक हरीभाई खेतान (गजराज राव) किसानों की जमीन जबरन हथियाकर 'बीकानेर टू बोस्टन' नामक परियोजना शुरू करना चाहता है। गांव का लोककवि राजाराम सोलंकी अपनी जमीन खोने के गम में आत्महत्या कर लेता है। इसके बाद खेतान मीडिया में राजाराम और उसकी बहू के अवैध संबंधों की झूठी कहानियां फैलाता है ताकि प्रोजेक्ट पर कोई आंच न आए। राजाराम की पत्नी जानकी (सीमा विश्वास) मदद की तलाश में दिल्ली पहुंचती है और वकील जगदीश त्यागी उर्फ जॉली (अरशद वारसी) तक जाती है। पहले अनमने ढंग से पीछे हटने वाला जॉली अंततः जनहित याचिका दायर करता है, लेकिन अदालत में उसका सामना दूसरे जॉली, जगदीश मिश्रा (अक्षय कुमार) से होता है और उसकी दलीलों के चलते न्यायमूर्ति सुंदरलाल त्रिपाठी (सौरभ शुक्ला) की अदालत में याचिका खारिज हो जाती है। इसके बाद जानकी सीधे जगदीश मिश्रा से मिलती है और अपनी आपबीती सुनाती है। यहीं, मिश्रा का हृदय परिवर्तन होता है और वह किसानों का पक्ष लेने का निर्णय करता है। दोनों जॉली साथ मिलकर खेतान जैसे शक्तिशाली व्यापारी के खिलाफ खड़े होते हैं। फिल्म का चरम इसी अदालत की जंग पर टिकता है। फिल्म में कैसी रही है एक्टिंग? अरशद वारसी - उन्होंने किरदार की गहराई को समझते हुए बेहद सशक्त अभिनय किया है। सधी हुई अदायगी और गहरी आवाज ने अदालत के दृश्य असरदार बना दिए। बिना दिखावे के उन्होंने अक्षय पर भारी पड़ते हुए दर्शकों का मन जीत लिया। अक्षय कुमार - कामेडी

वाले सीन्स में रंग जमाया, लेकिन कई बार ज्यादा बनावटी लगे। सीरियस मोमेंट्स में अपेक्षा के अनुरूप निखर नहीं पाए। गजराज राव - चालाक व्यापारी और खलनायक के रूप में शानदार। उनकी अदाकारी ने कहानी को धार दी। सौरभ शुक्ला - पहले जैसे ही दिखे, अभिनय मजबूत है पर कुछ नया नहीं। सीमा विश्वास - कम संवादों में भी चेहरे के भावों से गहरी छाप छोड़ी। अमृता राव और हुमा कुरैशी - सीमित उपस्थिति, असर खास नहीं पड़ा। फिल्म का निर्देशन और तकनीकी पहलू डायरेक्शन (सुभाष कपूर) - किसानों का मुद्दा उठाने की कोशिश सराहनीय है, परन्तु गति कई जगह धीमी पड़ जाती है। जरूरत से ज्यादा कामेडी सीन्स और उप कथाएं असली विषय से भटका देती हैं। सिनेमैटोग्राफी - अदालत के क्लोज-अप और गांव के दृश्य असरदार। रंगों का प्रयोग यथार्थवादी - गांव में हल्के, अदालत में गंभीर। एडिटिंग - 157 मिनट की लंबाई भारी लगती है। यदि कुछ सीन हटाए जाते तो फिल्म और कसावट भरी हो सकती थी। संगीत और बैकग्राउंड म्यूजिक - गाने भुला देने योग्य हैं, लेकिन पृष्ठभूमि संगीत अदालत की बहस और भावनात्मक दृश्यों में सही असर डालता है। फिल्म का कमजोर पहलू- जबरदस्ती डाले गए हास्य दृश्य फिल्म की गंभीरता तोड़ते हैं। अदालत की बहसें कई बार लंबी और खींची हुई लगती हैं। सहायक पात्रों को और गहराई दी जा सकती थी। फिल्म का मजबूत पक्ष-किसानों की पीड़ा और जमीन छिनने का दर्द दिल छू लेता है। अरशद वारसी और गजराज राव का अभिनय सबसे मजबूत कड़ी है। फिल्म का साफ संदेश है कि अगर अन्नदाता का अधिकार छिना, तो देश का विकास अधूरा रहेगा। क्यों देखें यह फिल्म? जॉली एलएलबी 3 में मनोरंजन भी है और संदेश भी। हां, लंबाई और बेवजह हास्य दृश्य इसे कमजोर बनाते हैं, लेकिन किसानों की जंग, अदालत का संघर्ष और अरशद वारसी का दमदार अभिनय फिल्म को देखने लायक बना देता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।